RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 133 , शुक्रवार, 26 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मुहर्रम को शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने निकाला फ्लैग मार्च 03
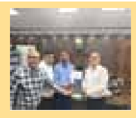
लोको पायलटों ने इमरजेंसी ब्रेक लगा मां-बच्चे सहित तीन को बचाया 04
कोरियन फिल्म में काम करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं... 07

संक्षिप्त समाचार

अमेजन ने मिलाया पीएम मोदी से हाथ

- भारत में 4,50,000 करोड़ निवेश करेगी कंपनी, 38 लाख नौकरियों के अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के सीईओ अमेजन एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान जेसी ने भारत के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराई। जेसी ने कहा कि अमेजन भारत में अपने विस्तार और कारोबार को सपोर्ट करने के लिए

साल 2026 से 2030 तक कुल 48 अरब डॉलर (करीब 4.50 लाख करोड़ रुपये) निवेश करेगी। इससे लाखों नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। जेसी ने देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए साल 2030 तक अतिरिक्त 13 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एंडी ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेजन के भारत में भविष्य की योजनाओं को लेकर हुई मुलाकात बेहद अच्छी रही।

सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर जमीन घोटाले के सबूत एसआईटी को दिए

एसआईटी अध्यक्ष को 11 सबूत सौंपे

अयोध्या (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह लखनऊ में एसआईटी अध्यक्ष के ऑफिस पहुंचे। वहां राम मंदिर जमीन घोटाले के सबूत देने का दावा किया।
अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी को आप सांसद संजय सिंह ने जमीन

घोटाले से जुड़े सबूत दिए। संजय सिंह गुरुवार सुबह 11 बजे लखनऊ में एसआईटी के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत के ऑफिस पहुंचे। वे करीब 12 मिनट कमरे में रुके। संजय सिंह ने बाहर आकर कहा- राम मंदिर में जमीन घोटाले के 11 कागजात मैंने एसआईटी को सौंपे हैं। उन्होंने कहा- एक-एक कर सब सामने आ रहा है। पैसे की बरामदगी हो चुकी है, चढ़ावे में चोरी के तमाम साक्ष्य मिल चुके हैं। फिर भी अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया? किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कोई एफआईआर अब तक क्यों दर्ज नहीं हुई? यह बेहद हैरान करने वाली बात है।
दरअसल, संजय सिंह ने दावा किया था कि उनके पास अयोध्या में जमीन घोटाले से जुड़े सबूत हैं। इसके बाद एसआईटी के प्रमुख कुमार विश्वास पंत ने उन्हें सबूत के साथ बुलाया था।

मंदसौर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा

ट्रक में घुसी कार, चार की मौत, दो की हालत गंभीर, एक घंटे फंसे रहे

मंदसौर (एजेंसी)। मंदसौर में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुई।

सीतामऊ थाना पुलिस के मुताबिक, रेनॉल्ट ट्राइबर कार में छह लोग सवार थे। सभी महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। वे दिल्ली मोबाइल इक्विपमेंट का सामान लेने जा रहे थे, लेकिन इस बीच तितरोद में हादसे का शिकार हो गए। पुलिस के मुताबिक, परिजनों को सूचना दे दी गई है। संभवतः वह गुरुवार देर रात या शुक्रवार सुबह तक मंदसौर पहुंचेंगे, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू होगी।

सरकार ने कहा

पासपोर्ट यात्रा दस्तावेज, नागरिकता का प्रमाण नहीं

- कांग्रेस ने पूछा- फिर सबूत क्या है

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, ये सिर्फ एक यात्रा दस्तावेज है। 14वीं पासपोर्ट सेवा दिवस सरकार ने कहा कि पासपोर्ट केवल अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा के लिए जारी किया जाता है।

इससे पहले एसआईआर से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं।

सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का दस्तावेज नहीं। तो फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है।वहीं, गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर ने पूछा कि जब पासपोर्ट को नागरिकता का 100 प्रतिशत अकेला और अंतिम सबूत नहीं माना जाता, तो ऐसा कानून क्यों लाया जा रहा है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद दिखा तबाही का मंजर

- 164 की मौत, 971 घायल, 1,00,000 मौतों की आशंका, आपातकाल घोषित
- वेनेजुएला में भूकंप के समय ज्यादातर लोग घरों में थे, आजादी की लड़ाई की सालगिरह पर दफ्तर-स्कूल बंद थे

कराकस, वेनेजुएला (एजेंसी)। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। मीडिया सूत्रों के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं। ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे।

126 साल में सबसे बड़ा भूकंप, देश में इमरजेंसी- वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।

- **नेपाल में सुबह-सुबह कांपी धरती, 3.8 तीव्रता के भूकंप से हड़कंप, जापान में भी तेज झटकों के बाद अलर्ट-** नेपाल में गुरुवार सुबह हल्का भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप की तीव्रता 3.8 दर्ज की गई। यह झटका सुबह 5:21 बजे आया और इसकी गहराई करीब 25 किलोमीटर थी।

पीएम मोदी ने वेनेजुएला में आए महाविनाशकारी भूकंप पर दुख जताता है और कहा है कि भारत हर संभव मदद के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से मैं वेनेजुएला सरकार से दुख व्यक्त करता हूं।

राजस्थान में तेज बारिश, पानी भरने से गाड़ियां फंसीं

- यूपी में आंधी से पोल गिरे, कारें दबीं; दिल्ली में आंधी-बारिश, मानसून एमपी-गुजरात पहुंचा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना (एजेंसी)। देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। यूपी के आगरा में बुधवार को आंधी से सड़क किनारे खड़ी कारों पर पोल गिर गया। दो कारों का पिछला हिस्सा दब गया।

राजस्थान के सीकर और चूरू के कई इलाकों में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया, जिससे बाइक-कारें फंस गईं। दिल्ली में तेज आंधी के साथ बारिश हुई, जबकि हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में बादल फटने से काचरंग नाला में बाढ़ आ गई। मुंबई में अंधेरी सब-वे में पानी भरने के बाद इसे अस्थाई तौर पर बंद किया गया था। विक्रोली वेस्ट में रिहायशी इमारत के पास बनी दीवार गिर गई। कई इलाकों में पेड़ उखड़े, जिसकी चपेट में आने से वाहनों को नुकसान पहुंचा।

अरुणाचल प्रदेश में एक हफ्ते से हो रही भारी बारिश के बीच बुधवार को कीयी पन्योर जिले की नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी में बाढ़ आ गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, 4 लोग लापता हैं और 18 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

अरुणाचल प्रदेश में बाढ़-भूस्खलन से तबाही

- एक की मौत और कई लोग लापता

नईदिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के केयी पान्योर जिले के याचुली इलाके में लगातार हो रही मूसलाधार

बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अधिकारियों के मुताबिक, इस प्राकृतिक आपदा में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि चार अन्य लोग अब भी लापता हैं।

केंद्र सरकार ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 25 जून को संविधान हत्या दिवस देशवासियों को याद दिलाएगा कि संविधान के कुचले जाने के बाद देश को कैसे-कैसे हालात से गुजरना पड़ा था। यह दिन उन सभी लोगों को नमन करने का भी है, जिन्होंने आपातकाल की घोर पीड़ा झेली। देश कांग्रेस के इस दमनकारी कदम को भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में हमेशा याद रखेगा। सड़क से लेकर संसद तक, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कभी पीएम मोदी को 'तानाशाह' बताया तो कभी अपने भाषण में 'संविधान खतरे में है' के नारे लगाए। राहुल गांधी ने 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने संविधान को बचा लिया है। वहीं लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल संविधान बचाओ के नारे से बीजेपी पर लगातार तीखे हमले कर रहे थे। लेकिन बीजेपी ने एक बार फिर विपक्ष के हमलों का करारा जवाब देते हुए बड़ा फैसला किया है। केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किया गया है। अधिसूचना में लिखा गया है, 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा की गई थी, उस समय की सरकार ने सत्ता का घोर दुरुपयोग किया था और भारत के लोगों पर ज्यादतियां और अत्याचार किए थे।

- **सरकार के फैसले से भड़की कांग्रेस-** सरकार के इस फैसले का एक तरफ एनडीए के नेता स्वागत कर रहे हैं, तो वहीं विपक्षी के नेता आलोचना कर रहे हैं। 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किए जाने के बाद कांग्रेस नेता विवेक तन्खा, पवन खेड़ा और प्रमोद तिवारी की प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने कहा कि मुझे बहुत ही आश्चर्य हुआ, जब भारत सरकार की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई कि 25 जून को हर साल देश भर में इमरजेंसी का रिमेंबरेंस डे मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1975 की घटना को उठाना, भाजपा की हताशा को दर्शाता है। हताशा के कारण ये 50 साल पुराने मुद्दे को उठा रहे हैं।

भाजपा -उप्र इकाई की घोषणा

- 19 नेताओं को बनाया गया प्रदेश उपाध्यक्ष
- राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह उपाध्यक्ष

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने गुरुवार को अपनी टीम की घोषणा की। लंबे समय से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, संगठन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ गहन मंथन के बाद चौधरी ने भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई की घोषणा की। नई लिस्ट में 19 उपाध्यक्ष और आठ महामंत्री हैं। लंबी प्रतीक्षा, भारी फेरबदल और कांट छांट के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की हरी झंडी मिलने के बाद पंकज चौधरी

ने उत्तर प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी। इसमें युवा चेहरों और अनुवभी नेताओं को मौका दिया गया है। भाजपा उत्तर प्रदेश ने गुरुवार को नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उत्तर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों की सूची जारी की।

इसमें पूर्व मंत्री सुरेश सिंह राणा समेत 19 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य और अभिजात मिश्रा को महामंत्री की जिम्मेदारी मिली।

एनसीईआरटी के सिलेबस में 1975-1977 इमरजेंसी सेक्शन शामिल, कक्षा 9वीं को पढ़ाया जाएगा

एनसीईआरटी यानी नेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने पहली बार कक्षा 9 की सामाजिक विज्ञान की किताब में 1975-77 की इमरजेंसी को शामिल किया है। नई किताब 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी : इंडिया एंड बियॉन्ड' में इमरजेंसी को भारतीय लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीईआरटी के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि कक्षा 9 की किताब में पहली बार इमरजेंसी पर अलग सेक्शन जोड़ा गया है। इसके अलावा 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी : इंडिया एंड बियॉन्ड- पार्ट 1' के 'इलेक्शंस' चैप्टर में चुनाव आयोग की तारीफ की गई है।

जयपुर के मुहाना से 4 भाई-बहन अचानक गायब

ट्यूशन से लौटे और फिर घर नहीं आए

जयपुर(एजेंसी)। राजधानी जयपुर के मुहाना थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे पुलिस महकमे और स्थानीय लोगों की नींद उड़ा दी है। एलएनटी रोड

के पास रहने वाले दो सगे भाइयों के परिवारों के चार मासूम बच्चे अचानक रहस्यमय ढंग से लापता हो गए हैं। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे ट्यूशन से लौटने के बाद घर से निकले ये बच्चे देर रात तक वापस नहीं लौटे। जब आस-पास की हर संभावित जगह पर तलाश करने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो बदहवास परिजनों ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया।

कार में हैवानियत

अपहरण, दरिंदगी और कत्ल

- दर्दभरी चीखें, बेबसी और रहम की गुहार
- चिल्लाने पर मासूम का मर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर शर्मसार हुई है। महरौली इलाके से कैब चालक ने मासूम का अपहरण कर लिया। इसके बाद उसके साथ हैवानियत की और फिर मार डाला। जिस समय बच्ची का अपहरण किया गया, वह फुटपाथ पर सो रही थी। कैब के चलने पर बच्ची की नींद खुली तो वो हैरानी से चिल्लाई। इस पर आरोपी ने घुमाकर परिवार के पास छोड़ने का भरोसा दिया था।

दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके 11 साल की मासूम बच्ची के अपहरण, उसके साथ दरिंदगी और फिर बेरहमी से हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। आरोपी वासू सिंह उर्फ बब्लू ने जिस नृशंसता से इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया, उसका कबूलनामा सुनकर पुलिसकर्मियों के भी रोंगटे खड़े हो गए।

हवस में अंधे हो चुके आरोपी ने छतरपुर रोड पर मांडी गांव के बाद कैब सुनसान जगह पर रोकी और बच्ची से दुष्कर्म किया। इस दौरान

बच्ची की दर्दभरी चीखों, उसकी बेबसी और रहम की गुहार से भी वह नहीं पिघला। उसने मासूम की अस्मिता को रौंदा और अपनी करतूत छिपाने के लिए दर्द से बिलखती नाबालिग की सांसें भी छीन लीं। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी वारदात से पहले गांजे के नशे में था। उसने बच्ची अपनी मां, तीन बहन-भाई के बाद पांचवें नंबर पर सोता देख उसे कैब में लिटा लिया और गाड़ी गुरुग्राम की ओर मोड़ दी। इस बीच बच्ची की नींद खुली और खिड़की से बाहर देख वह पापा...पापा .. चिल्लाने लगी। आरोपी ने उसे कहा कि वह घुमाकर परिवार के पास छोड़ देगा।

एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक बच्ची की आवाज सुनकर उसके पिता ने कार का पीछा भी किया और बदहवास हालात में जहां परिवार सो रहा था वहां आया और अपहरण की जगह पर सो रहे बुजुर्ग से कार चालक के बारे में पूछा लेकिन वह कुछ बता नहीं आए।

- **वारदात के पौन घंटे बाद ही बुकिंग ले ली थी-** महरौली में बच्ची के साथ दुष्कर्म व हत्या करने की वारदात के बाद ही आरोपी ने पौने घंटे बाद ही बुकिंग ले ली थी। उसने सोमवार सुबह 7 बजे गुरुग्राम के चक्करपुर से दिल्ली के नांगलोई की बुकिंग ली थी। नांगलोई में सवारी को छोड़कर वह विकासपुरी आ गया और यहां वह अगली बुकिंग का इंतजार करने लगा। यहां से मोबाइल लोकेशन व कंपनी से ली गई डिटेल के आधार पर आरोपी को विकासपुरी से पकड़ लिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी जोड़े ने वीडियो जारी कर मांगी सुरक्षा, पिता पर गंभीर आरोप, मर्जी से घर छोड़ की शादी

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर से एक प्रेमी जोड़े ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी जान को खतरा बताया है। उन्होंने अपने पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं और हाजीपुर प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगाई है। जोड़े का कहना है कि उन्होंने अपनी मर्जी से घर छोड़कर शादी की है। लड़की की पहचान पोखरा मोहल्ला, वीर कुंवर सिंह कॉलोनी निवासी पवन सिंह की बेटी संध्या सिंह (22) के रूप में हुई है। लड़के ने अपनी पहचान छोटी यूसुफपुर निवासी जितेंद्र कुमार का बेटा आदित्य कुमार (25) के रूप में बताई है। दोनों ने अपनी मर्जी से घर छोड़कर शादी की है और अब वैशाली पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। वीडियो में संध्या ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है कि उनकी तलाश की जा रही है। उसने कहा कि वह और आदित्य पिछले तीन साल से एक-दूसरे को जानते थे। जब उसके पिता ने उसकी शादी के लिए लड़के देखने शुरू किए, तो उसने उन्हें आदित्य के बारे में बताया और उससे शादी करने की इच्छा व्यक्त की। संध्या के अनुसार, यह बात सुनते ही उसके पिता ने उसे कथित तौर पर बुरी तरह पीटा और जहर देने की धमकी दी। इसके बाद उसने आदित्य को सूचित किया कि उसके पिता उसकी शादी कहीं और तय करना चाहते हैं और उसे घर से निकलने में मदद मांगी। संध्या ने यूपीआई के माध्यम से आदित्य को कुछ पैसे भेजे और फिर खाली हाथ अपने घर से निकल गई। अब दोनों ने शादी कर ली है और साथ रह रहे हैं। संध्या ने यह भी स्पष्ट किया कि उसे घर छोड़ने में न तो उसके परिवार का और न ही आदित्य के परिवार का कोई हाथ है। उसने अपनी मर्जी से आदित्य के साथ शादी की है। लड़की ने प्रशासन से अपील की है कि यदि लड़के के परिवार को कोई भी नुकसान पहुँचता है, तो उसके लिए केवल उसके पिता जिम्मेदार होंगे। इस संबंध में नगर थाना अध्यक्ष सिकन्दर कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है उसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस का हुड़दंगियों से निपटने को मॉकड्रिल, मोहर्रम से पहले वाटर कैनन चली, आंसू गैस के गोले दागे गए

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने मोहर्रम पर्व के दौरान हुड़दंगियों से निपटने की तैयारी में हाजीपुर पुलिस लाइन में एक रियलिस्टिक मॉकड्रिल का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा के निर्देश पर हुए इस अभ्यास में वाटर कैनन का प्रयोग किया गया और आंसू गैस के गोले भी दागे गए। अभ्यास के दौरान, दंगाइयों की भीड़ का दृश्य बनाया गया। पुलिस बल ने पहले लाठीचार्ज कर भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। स्थिति बेकाबू होने पर वाटर कैनन से पानी की तेज बौछार की गई, जिसके बाद आंसू गैस के गोले दागकर भीड़ को तितर-बितर करने का अभ्यास किया गया। इस दौरान जवानों को त्वरित कार्रवाई और समन्वय का प्रशिक्षण दिया गया। मॉकड्रिल के बाद, एसपी शुभांक मिश्रा ने सभी थानाध्यक्षों को मोहर्रम के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर की आवाज इतनी धीमी होनी चाहिए कि वह केवल जुलूस तक ही सीमित रहे। एसपी ने स्पष्ट किया कि माहौल बिगाड़ने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिस ने यह भी साफ किया कि त्योहार के दौरान उपद्रव फैलाने, अफवाहें फैलाने या जबरन चंदा वसूली करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत कार्रवाई की जा सकती है। सभी संवेदनशील इलाकों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों को तुरंत ट्रेस कर गिरफ्तार किया जाएगा। वैशाली पुलिस ने जिलेवासियों से मोहर्रम का त्योहार गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है।

पप्पू सहनी एनकाउंटर मामला,मुकेश सहनी ने आंदोलन की चेतावनी दी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में वीआईपी सुप्रीमो और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी पहुंचे। इन्होंने पप्पू सहनी एनकाउंटर और भोजपुर एनकाउंटर मामले को लेकर बिहार सरकार व पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को मुजफ्फरपुर सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि यदि पप्पू सहनी फेक एनकाउंटर के आरोपितों की गिरफ्तारी एक महीने के अंदर नहीं हुई, तो उनकी पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन और चक्का जाम करेगी। वहीं भोजपुर एनकाउंटर मामले में उन्होंने कहा कि यदि डीएसपी राजेश शर्मा पर पहले हुई शिकायतों में कार्रवाई की गई होती, तो भोजपुर जैसी घटना नहीं होती। मुकेश सहनी ने कहा है कि ये सरकार फर्जी है। मुकेश सहनी ने कहा कि चार महीने बीत जाने के बावजूद पप्पू सहनी हत्याकांड में पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला है। पुलिस अब तक दोषियों तक नहीं पहुंच सकी है। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर आने के दौरान वह पीड़ित परिवार से मिले हैं और उनकी पीड़ा को करीब से समझा है। उन्होंने कहा, "हम मुजफ्फरपुर के एसएसपी को एक महीने का समय दे रहे हैं। यदि इस अवधि में दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वीआईपी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी और सड़क जाम किया जाएगा।" प्रेस वार्ता के दौरान मुकेश सहनी ने राज्य सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में हत्या और अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सरकार अपराध पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने अपने समाज के लोगों से एकजुट रहने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। भोजपुर जिले में हुए चर्चित एनकाउंटर का जिक्र करते हुए मुकेश सहनी ने कहा कि बिहार की जनता और उनकी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि अंतिम न्याय मिलने तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि एनकाउंटर में शामिल डीएसपी राजेश शर्मा के खिलाफ पहले भी गंभीर आरोप सामने आए थे। यदि उन मामलों में समय रहते कार्रवाई की जाती तो भोजपुर की घटना नहीं होती। मुकेश सहनी ने कहा, "जिस अधिकारी पर सवाल उठ रहे थे, उस पर कार्रवाई करने के बजाय सरकार ने उसे प्रमोशन देकर आगे बढ़ा दिया। यदि समय रहते जवाबदेही तय की गई होती तो आज यह स्थिति नहीं बनती।"

शादी समारोह में हर्ष फायरिंग, दुल्हन के मामा की मौत, परिजन ने साजिश की जताई आशंका

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग हुई है। गोली लगने से दुल्हन के मामा की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुसहरी निवासी रंजीत साहनी (32) के रूप में हुई है। दुल्हन का सगा मामा था। घटना करजा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, भटौना गांव निवासी शंभू सहनी की भतीजी की शादी थी। बारात आने के बाद द्वारपूजा सहित अन्य रस्में चल रही थी। इसी दौरान हर्ष फायरिंग की घटना हुई, जिसमें एक गोली रंजीत साहनी को लगी। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। परिजन ने आरोप लगाया है कि किसी ने जानबूझकर गोली चलाई है। सूचना मिलते ही करजा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस गांव के लोगों और समारोह में मौजूद व्यक्तियों से पूछताछ कर रही है। थानेदार परमहंस कुमार ने बताया कि पुलिस को गोली लगने से एक व्यक्ति की मृत्यु होने की सूचना मिली थी। टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की पूरी गहनता से छानबीन की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

पेड़ काटने के विवाद में बड़े भाई-भाभी पर धारदार हथियार से हमला

एजेंसी, पटना

हाथ में खुखरी लिए दिखा आरोपी, FIR दर्ज

पटना के दानापुर थाना क्षेत्र में पेड़ काटने के विवाद में एक छोटे भाई ने सेना की वर्दी पहनकर अपने बड़े भाई और भाभी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पेड़ काटने को लेकर शुरू हुआ विवाद: यह घटना दानापुर थाना क्षेत्र के गाभतल स्थित राज नारायण द्वार रोड की है। पीड़ित अजय कुमार ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे उनके छोटे भाई नवल किशोर कुमार, जो सेना में कार्यरत हैं, एक अन्य व्यक्ति के साथ घर के हाते में घुस आए। नवल किशोर ने सेना की वर्दी पहन रखी थी। घर के परिसर में घुसते ही नवल किशोर ने वहां लगे फलदार वृक्ष को कटवाना शुरू कर दिया। जब अजय कुमार और उनकी पत्नी ने इसका विरोध किया, तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

धारदार हथियार से हमले का आरोप: अजय कुमार के मुताबिक, विवाद बढ़ने पर नवल किशोर ने हाथ में खुखरी लेकर उन पर हमला कर दिया। अजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। जब उनकी पत्नी उन्हें बचाने के लिए बीच-बचाव करने आईं, तो आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे वह भी घायल हो गईं।

वीडियो के आधार पर पुलिस जांच में जुटी: घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उनका उपचार किया और फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। पीड़ित परिवार ने दानापुर थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया, 'सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और पीड़ित पक्ष द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।'

जेसीबी ड्राइवर की संदिग्ध मौत

एजेंसी, पटना

- वेतन विवाद में ईंट भट्ठा संचालक पर हत्या का आरोप, परिजनों ने शव रखकर स्टेट हाईवे जाम किया

पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल में एक ईंट भट्ठा संचालक पर अपने जेसीबी ड्राइवर की हत्या का आरोप लगा है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया और आक्रोशित परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर स्टेट हाईवे जाम कर प्रदर्शन किया। घटना बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के घोसवरी गांव की है।

पैसे देने के बहाने बुलाया, फिर हुई संदिग्ध मौत- परिजन: परिजनों के मुताबिक, युवक ईंट भट्ठे पर जेसीबी चालक के रूप में काम करता था और पिछले कई दिनों से अपने बकाया वेतन की मांग कर रहा था। आरोप है कि भट्ठा संचालक लगातार भुगतान टाल रहा था। मृतक के परिजनों का दावा है कि भट्ठा मालिक ने वेतन देने के बहाने युवक को बुलाया था। इसके बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

सुनियोजित तरीके से युवक की हत्या का आरोप: परिवार ने आरोप लगाया है कि वेतन मांगने को लेकर हुए विवाद के कारण सुनियोजित तरीके से युवक की हत्या की गई। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी तक हत्या के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और मामले की जांच जारी है।

शव के साथ सड़क जाम, कार्रवाई की मांग: घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर जुट गए। इसके बाद परिजनों ने शव के साथ स्टेट हाईवे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि आरोपी ईंट भट्ठा संचालक को जल्द गिरफ्तार किया जाए और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए। मामले की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने और स्थिति सामान्य करने में जुटी रही। जांच के बाद आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

फुलवारीशरीफ में सड़क किनारे मिला युवक का शव

एजेंसी, पटना

- आधार कार्ड से हुई पहचान, बाहरी चोट के निशान नहीं, मौत के कारणों की जांच जारी

पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र स्थित नई ढेलवा कॉलोनी में गुरुवार को एक युवक का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रामकृष्ण नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की।

आधार कार्ड से हुई पहचान: पुलिस के मुताबिक, मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान हरीश राज के रूप में हुई। हरीश राज संतोष सिंह के पुत्र थे और पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित पटना कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं। पहचान के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचित किया।

पटना सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) 2 डॉ. रंजन कुमार ने बताया, 'प्रथम दृष्टया जांच में मृतक के शरीर पर किसी बाहरी चोट या जख्म के निशान नहीं मिले हैं। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (NMCH) भेज दिया गया है।

खान सर और उनके गार्ड्स पर शनिवार को होगी सुनवाई

एजेंसी, पटना

- कोचिंग विवाद की केस डायरी अधूरी होने के चलते फैसला, रौशन आनंद के दोनों कर्मियों को मिली जमानत

पटना सिविल कोर्ट में आज कोचिंग विवाद मामले में फैजल खान उर्फ खान सर की एंटीसिपेटरी बेल और उनके दोनों गार्ड की रेगुलर बेल याचिका को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने पाया कि पुलिस की ओर से सबमिट अपडेट केस डायरी इनकंप्लीट है। कोर्ट ने पुलिस को कम्प्लीट केस डायरी सबमिट करने का निर्देश दिया है। वहीं, अब दोनों इस दोनों मामले की अगली सुनवाई शनिवार को होगी। दूसरी ओर रौशन आनंद पक्ष के अभिषेक और गौरव की जमानत याचिका पर भी सेशन जज के कोर्ट में बहस हुई है। बहस के बाद कोर्ट ने दोनों की बेल याचिका मंजूर कर ली है।

रौशन आनंद के दोनों स्टॉफ को मिली जमानत: रौशन आनंद के वकील राघव कुमार ने बताया, 'रौशन आनंद पक्ष के गौरव और अभिषेक को बेल मिल गई है। अब हम बेल बॉन्ड की प्रक्रिया और बेउर जेल से रिहाई के लिए जरूरी सभी प्रक्रिया पूरी करेंगे। फिर दोनों को रिहा किया जाएगा। कोर्ट ने बगैर शर्त दोनों की जमानत याचिका मंजूर की है।'

खान सर की बढ़ सकती है मुश्किलें: पुलिस की ओर से जो अपडेट केस डायरी सबमिट की गई है। उसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि गोली सेल्फ डिफेंस में नहीं चलाई गई थी। दहशत फैलाने के इरादे से खान सर के कहने पर दोनों गार्डों ने फायरिंग की थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि कोर्ट का क्या रुख होता है।

पिछली सुनवाई में कोर्ट से मिला था अंतरिम संरक्षण: इससे पहले शनिवार, 20 जून को सुनवाई के दौरान अदालत ने निर्देश दिया कि मामले में अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई कठोर या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक बनी हुई है। अदालत ने खान सर से जुड़े स्टाफ के तीन अन्य सदस्यों को भी अंतरिम संरक्षण दिया था और निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ भी कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए।

अपडेट केस डायरी पेश, दस्तावेजों की समीक्षा के बाद राहत: सुनवाई के दौरान पटना पुलिस ने अदालत में केस डायरी प्रस्तुत की थी। रिकॉर्ड और दस्तावेजों के अवलोकन के बाद अदालत ने अंतरिम सुरक्षा जारी रखने का फैसला लिया। मामले की अगली सुनवाई 25 जून यानी आज तय की गई। खान सर के वकील अरविंद कुमार मौर्य के मुताबिक, अदालत ने फिलहाल गिरफ्तारी से संरक्षण दिया है और अब अपडेट केस डायरी, रिकॉर्ड में मौजूद अन्य दस्तावेजों की समीक्षा के बाद आगे फैसला लिया जाएगा।

खान सर ने आरोपों से किया इनकार: इससे पहले खान सर ने अग्रिम जमानत के लिए अदालत का रुख किया था। याचिका में उन्होंने फायरिंग की घटना में किसी भी भूमिका से इनकार किया और कहा कि उन्हें मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है।

कांग्रेस ने शुरू किया 'छात्रों की गूंज' अभियान

एजेंसी, पटना

- 28 प्रमुख शहरों में 40 दिन चलेगा, राजेश राम बोले- राहुल गांधी पटना आकर कार्यक्रम करेंगे

देश भर के छात्रों की आवाज को एक मंच देने, शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी अभियान 'छात्रों की गूंज' की शुरुआत की है। यह 40 दिनों का अभियान देश के 28 प्रमुख शहरों में छात्रों, अभ्यर्थियों, कोचिंग हब, कॉलेज कैंपस, पुस्तकालयों और युवा समूहों के बीच चलाया जाएगा। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था ICU में है। इस अभियान के तहत राहुल गांधी पटना आएंगे और कोटा की तरह ही यहां भी नॉन पॉलिटिकल कार्यक्रम करेंगे।

9 अगस्त को दिल्ली में एकजुट होंगे देशभर के छात्र: इस अभियान के संयोजक और नेशनल कोर ग्रुप के सदस्य अनुपम ने कहा कि 30 जून से 28 शहरों में पर्चा वितरण, नुक्कड़ बैठक और छात्र संपर्क अभियान शुरू होगा। जुलाई महीने में साप्ताहिक कार्यक्रम, कैंपस संपर्क और अंबेडकर संवाद होगा। 1 अगस्त 2026 को सभी 28 शहरों में कलेक्टरेट घेराव और फिर 9 अगस्त को 'दिल्ली चलो' के साथ अभियान के प्रथम चरण का समापन, जिसमें देशभर के छात्र एकजुट होकर अपनी आवाज़ सरकार तक पहुंचाएंगे।

भाजपा सरकार में NTA बना नेशनल ट्रॉमा एजेंसी: उन्होंने आगे कहा कि यह अभियान उन छात्रों और नौकरी अभ्यर्थियों की आवाज है जिनकी मेहनत बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, रिजल्ट में देरी, भर्ती अटकने और एनटीए की नाकामी के कारण बर्बाद हो रही है। छात्र कोई एहसान नहीं मांग रहे। वे सिर्फ निष्पक्ष परीक्षा और तय समय पर भर्ती मांग रहे हैं। भाजपा सरकार ने NTA (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) को पारदर्शिता और सुधार के नाम भारत के छात्रों पर थोपा था, लेकिन यह संस्था आज करोड़ों छात्रों के लिए नेशनल ट्रॉमा एजेंसी बन चुकी है।

देश का सबसे ज्यादा असुरक्षित भविष्य का सामना कर रहा: यह लड़ाई केवल NEET की नहीं है। यह लड़ाई उन पूरी शिक्षा व्यवस्था को बचाने की है जो आज ICU में पहुंच चुकी है। पेपर लीक, भर्ती घोटाले, खाली पद, महंगी कोचिंग व्यवस्था, लगातार टलती परीक्षाएं और बेरोजगारी ने युवाओं का विश्वास तोड़ दिया है। देश का सबसे युवा आज सबसे ज्यादा असुरक्षित भविष्य का सामना कर रहा है। शिक्षा मंत्री और एनटीए इस संकट की जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। जब राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में छात्रों का भरोसा टूटता है, तो जवाबदेही भी राष्ट्रीय स्तर पर तय होनी चाहिए।

राहुल गांधी की कोटा रैली से गूंजी देश के छात्रों की पीड़ा: हाल ही में कोटा में राहुल गांधी जी ने कुछ आंकड़ों के माध्यम से साबित किया की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था एक रिजेक्शन सिस्टम" है, जिसमें हर 3000 छात्रों में से केवल 1 IAS बनता है, 30 IIT पहुंचते हैं और सिर्फ 180 डॉक्टर बन पाते हैं। बाकी करोड़ों युवाओं को यह व्यवस्था अवसर नहीं, सिर्फ अस्वीकृति देती है।उन्होंने बताया की जहां एक तरफ देश का कुल शिक्षा बजट 1.4 लाख करोड़ है, वहीं सिर्फ 22 लाख NEET छात्रों का कुल खर्च 1.32 लाख करोड़ है। भारत की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था एक वसूली तंत्र है।

दूध देने निकले अधेड़ का शव गड्ढे में मिला, गला घोंटकर हत्या की आशंका

एजेंसी, पटना

- पुलिस जांच में जुटी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतेजार

पटना जिले के भदौर थाना क्षेत्र के बरुआने गांव के पास गड्ढे में एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। मृतक की पहचान नालंदा जिले के सरमेरा थाना अंतर्गत गोविंदपुर गांव निवासी भूषण सिंह के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है।

घर वापस नहीं लौटने पर शुरू हुई खोजबीन: जानकारी के अनुसार, भूषण सिंह हर दिन की तरह बीते शाम दूध देने के लिए पटना के बरुआने गांव गए थे। जब देर रात तक वह अपने घर वापस नहीं लौटे, तो परिजनों को किसी अनहोनी की चिंता सताने लगी। उनके बेटे, जो दिल्ली जा रहे थे, ने रास्ते से ही गांव के कुछ युवकों को फोन कर अपने पिता की खोजबीन करने के लिए भेजा। खोजबीन के दौरान ग्रामीणों ने बरुआने खंदा में भूषण सिंह का शव पड़ा हुआ देखा।

परिजनों के मुताबिक, शव के गले में एक गमछा कसकर लपेटा हुआ था, जिससे फंदा लगाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अपराधियों ने भूषण सिंह की न सिर्फ गला घोंटकर, बल्कि गोली मारकर भी हत्या की है। हालांकि, हत्या की असली वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजन भी किसी पुरानी रंजिश या दुश्मनी के कारण को स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रहे हैं।

मोहर्रम को लेकर बिहटा में पटना पुलिस का फ्लैग मार्च

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र में मोहर्रम पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। गुरुवार सुबह पुलिस टीम ने इलाके में बाइक से फ्लैग मार्च निकाला और लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च में स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ अतिरिक्त पुलिस बल भी शामिल रहा। इसका उद्देश्य पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना बताया गया।

जुलूस वाले इलाकों में बढ़ाई गई चौकसी: बिहटा क्षेत्र में मोहर्रम के दौरान कई स्थानों से जुलूस निकाले जाते हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी की तैयारी की है। पुलिस ने साफ किया है कि अफवाह फैलाने, माहौल बिगाड़ने या हुड़दंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीजे पर रोक, ड्रोन से होगी निगरानी: अमित कुमार ने बताया कि मोहर्रम को लेकर पटना जिला प्रशासन की ओर से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उसी के तहत गुरुवार से पूरे क्षेत्र में बाइक फ्लैग मार्च शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि जहां आवश्यकता होगी, वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। जुलूस के दौरान डीजे के उपयोग पर पूरी तरह रोक रहेगी और ड्रोन कैमरों के जरिए पूरे आयोजन पर नजर रखी जाएगी।

3 जिलों में बारिश, 13 में अलर्ट, बिहार के 13 जिलों में हीटवेव की भी चेतावनी

एजेंसी, पटना

बिहार के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में चिलचिलाती धूप निकलने के साथ साथ गर्म हवा चल रही है। इससे हीटवेव जैसी स्थिति बनी हुई है। वहीं, पूर्वी और उत्तरी हिस्सों में बारिश हो रही है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी गुरुवार को प्रदेश के 13 जिलों में हीटवेव और 13 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में शाम होते ही आंधी के साथ तेज बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 60kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। सुपौल और कैमूर में सुबह हल्की बारिश हुई। वहीं खगड़िया के कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों को गर्मी के साथ-साथ बदलते मौसम से सावधान रहने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटे में 42.2 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा। 5 जिलों का टेंपरेचर 40 डिग्री पार रिकॉर्ड किया गया।

हीट वेव और बारिश एक साथ क्यों: मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल बिहार दो मौसम परिस्थितियों का सामना कर रहा है। उत्तर बिहार और सीमांचल में बंगाल की खाड़ी से नमी पहुंच रही है, जिससे वहां बारिश की संभावना है। जबकि पटना, गया, नालंदा, भोजपुर, रोहतास, औरंगाबाद, बक्सर और कैमूर जैसे जिलों में अब भी गर्म और शुष्क हवाओं का असर है। उत्तर बिहार से पूर्वी भाग की ओर ट्रफ रेखा बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं आ रही हैं। इनके प्रभाव से अगले कुछ दिनों में बारिश होने के आसार हैं।

अच्छी बारिश के लिए 48 घंटे और इंतजार: मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों तक दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-मध्य बिहार के कुछ हिस्सों में गर्म हवा (हीट वेव) की स्थिति रहने की संभावना जताई है। पटना, गया, नालंदा समेत अन्य जिलों में लोगों को गर्मी और उमस से अभी राहत मिलने की उम्मीद कम है। हालांकि इस दौरान कुछ स्थानों पर मेघगर्जन, वज्रपात और तेज हवा चल सकती है। विभाग का अनुमान है कि 27 जून के बाद मानसून की गतिविधियां तेज होंगी। इसके बाद राज्य के अधिकांश हिस्सों में वर्षा का दायरा बढ़ेगा और तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए जून के अंतिम सप्ताह से लेकर जुलाई के पहले सप्ताह के दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना बन रही है। राजधानी में गुरुवार को गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी राशन लेने पर शिक्षक से 52,784 रुपये की वसूली, राशि ट्रेजरी में जमा

बीएनएम@ मोतिहारी। सरकारी शिक्षक होते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का राशन लेने के मामले में तुरकौलिया प्रखंड के माधोपुर मधुमालत निवासी शिक्षक जैद अहमद को 52,784 रुपये सरकारी खजाने में जमा करने पड़े हैं। बताया जाता है कि उन्होंने तीन वर्षों तक पीडीएस दुकान से सरकारी राशन प्राप्त किया था।

जानकारी के अनुसार जैद अहमद वर्तमान में कोटवा प्रखंड के मिडिल स्कूल मच्छरगवा में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। जांच के दौरान यह मामला सामने आया कि सरकारी सेवा में रहते हुए उन्होंने पीडीएस योजना का लाभ लिया, जिसके बाद संबंधित विभाग द्वारा कार्रवाई शुरू की गई।

विभागीय जांच में अनियमितता पाए जाने पर शिक्षक से सरकारी राशन के एवज में 52,784 रुपये की वसूली की गई, जिसे उन्होंने ट्रेजरी में जमा कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार, सरकारी कर्मचारी होने के बावजूद राशन योजना का लाभ लेने के मामले में शिक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी की जा सकती है। हालांकि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों की ओर से अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है।

मामले को लेकर शिक्षा एवं आपूर्ति विभाग के स्तर पर आगे की प्रक्रिया जारी है।

रामगढ़वा-रक्सौल एनएच पर सड़क हादसा: दो की मौत, दो घायलों की हालत गंभीर, डीएम ने अंडरपास निर्माण का दिया आश्वासन

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा-रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित फ्लाईओवर पर हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वालों और घायलों को लेकर नई जानकारी सामने आई है। हादसे में घायल धनेश बैठा को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वे अपने घर लौट आए हैं। वहीं अन्य घायलों की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, हादसे में घायल लक्खी कुमारी की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा एक अन्य घायल महिला की स्थिति भी नाजुक बताई जा रही है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। गौरतलब है कि आमोदेई स्थित रिपु राज मिल से चावल लादकर जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चल रहे लोगों पर चढ़ गया था। इस दर्दनाक हादसे में सिंहोरवा निवासी मुन्नी देवी (55) और उनकी पुत्री सीमांतर देवी (36) की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद से सिंहोरवा समेत आसपास के क्षेत्रों में शोक का माहौल व्याप्त है। हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। स्थिति को संभालने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राकेश कुमार ने पहल करते हुए जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव से दूरभाष पर बातचीत की। ग्रामीणों की सुरक्षा संबंधी मांगों को गंभीरता से सुनने के बाद जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि संबंधित मार्ग पर अंडरपास का निर्माण कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने तथा यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने कुछ राहत महसूस की है, हालांकि वे अंडरपास निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

11 सूत्री मांगों को लेकर भाकपा (माले) का अंचल कार्यालय पर धरना

बीएनएम@ रामगढ़वा। भाकपा (माले) रेड फ्लैग के बैनर तले गुरुवार को रामगढ़वा अंचल कार्यालय के समक्ष सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर सरकार के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। भोला साह की अध्यक्षता एवं अनिता देवी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय तथा राज्य स्तरीय 11 सूत्री मांगों को लेकर प्रशासन और

सरकार का ध्यान आकृष्ट किया गया। धरना को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) रेड फ्लैग के राज्य सचिव कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि आम जनता एवं गरीब वर्ग की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था में सामंती उत्पीड़न और भूमि विवाद की समस्याएं बढ़ी हैं तथा गरीबों के अधिकारों की उपेक्षा हो रही है। वक्ताओं ने कहा कि दशकों से बसे भूमिहीन परिवारों को बेदखल करने की कार्रवाई बंद होनी चाहिए और उन्हें भूमि पर मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। धरना के दौरान प्रमुख मांगों में बेतिया राज की जमीन पर काबिज भूमिहीनों को स्वामित्व अधिकार देने, रक्सौल, सुगौली, मोतिहारी एवं नरकटियागंज से पटना के लिए 10 जोड़ी अतिरिक्त ट्रेनों का परिचालन शुरू करने तथा वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन को बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रतिमाह करने की मांग शामिल रही। कार्यक्रम में पेंशन भुगतान में हो रही देरी पर भी नाराजगी जताई गई। अंचल सचिव अनिता देवी एवं जिला सचिव भोला साह ने कहा कि पिछले तीन माह से लंबित पेंशन राशि का भुगतान अविलंब लाभार्थियों के खातों में किया जाए। धरना-प्रदर्शन में सलमा खातून, मुनर मियां, रीता देवी, रिंकू देवी, मंजू देवी, प्रमालाल यादव और राजेन्द्र सहनी सहित कई स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में भोला साह के नेतृत्व में 11 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन अंचलाधिकारी को सौंपा गया।

दरपा पुलिस ने लूट की साजिश की नाकाम, हथियार व कारतूस के साथ पांच गिरफ्तार

बीएनएम@ छौड़ादानो। दरपा थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक बड़ी आपराधिक वारदात को होने से पहले ही विफल कर दिया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हथियार, कारतूस और मोबाइल के साथ पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बुधवार को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी आदापुर क्षेत्र से किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की नीयत से छौड़ादानो की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही दरपा थाना पुलिस ने लखौरा-आदापुर मार्ग स्थित बोलडरवा चौक के समीप सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया। वाहन जांच के दौरान आदापुर की ओर से एक अपाची मोटरसाइकिल और एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो आती दिखाई दी। पुलिस को देखकर बाइक चालक वाहन मोड़कर फरार हो गया, जबकि स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस तथा छह मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि बरामद हथियारों का उपयोग लूट अथवा डकैती की घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से किया जाना था। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर आदापुर थाना क्षेत्र के भलुअहिया गांव निवासी प्रिंस पटेल के घर से दो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिट्टू सिंह, अजीत गुप्ता, मुन्ना कुमार, संतोष यादव एवं विशाल कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिलों का उपयोग दरपा थाना कांड संख्या 132/26 में लूट के प्रयास की घटना में किया गया था। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर भारतीय रिज़र्व बैंक ने आयोजित किया विशेष जागरूकता शिविर

बीएनएम@ नीरज आनन्द

मोतिहारी। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई), पटना क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) दिवस के अवसर पर नगर के होटल रुद्रा रीजेंसी में गुरुवार को एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमिता, रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी आर्थिक विकास में एमएसएमई क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना तथा उद्यमियों के बीच जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन आरबीआई, पटना के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में एमएसएमई क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वित्तीय समावेशन, डिजिटलीकरण और संस्थागत ऋण सहायता की आवश्यकता पर बल देते

हुए उद्यमियों को विभिन्न सरकारी एवं बैंकिंग योजनाओं का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को सतत और सुदृढ़ रूप से विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आरबीआई, पटना के महाप्रबंधक अमित कुमार ने एमएसएमई क्षेत्र की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए ऋण प्रवाह बढ़ाने के साथ-साथ उद्यमियों और बैंकिंग तंत्र की क्षमता वृद्धि भी आवश्यक है। कार्यक्रम में

बैंकिंग क्षेत्र के कई वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी, बिहार ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मुकुल सहाय, पंजाब नेशनल बैंक के महाप्रबंधक लक्ष्मीकांत मिश्रा तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक राजीव रंजन सिन्हा, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी से अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) के. एम. सिंह सहित अन्य प्रमुख रूप से शामिल थे। इस जागरूकता शिविर में 150 से अधिक उद्यमियों एवं विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान एमएसएमई क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतियां दी गईं। इसके बाद आयोजित ओपन हाउस सत्र में उद्यमियों ने अपने प्रश्न रखे और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। साथ ही, कई सफल उद्यमियों ने अपने अनुभव और सफलता की कहानियां साझा कीं, जिन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि इसी क्रम में 23 एवं 24 जून 2026 को 42वें एन.ए.एम.सी.ए.बी.एस (नेशनल मिशन फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ बैंकर्स फॉर फाइनेंसिंग एमएसएमई) कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बैंक अधिकारियों की एमएसएमई वित्तपोषण, ऋण मूल्यांकन, सरकारी योजनाओं तथा क्षेत्र की उभरती आवश्यकताओं के संबंध में क्षमता का विकास करना था। इस कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने भारतीय रिज़र्व बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे कार्यक्रम जिले के एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक सशक्त बनाएंगे तथा स्थानीय आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेंगे।

मुहर्रम को शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने निकाला फ्लैग मार्च

बीएनएम@ मोतिहारी

मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण पूरी तरह मुस्तैद है। पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन द्वारा बड़ी संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों पर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, वहीं ड्रोन के माध्यम से भी जुलूस की निगरानी एवं वीडियोग्राफी कराई जाएगी। मुहर्रम की पूर्व संध्या पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने एरिया डोमिनेंसी के तहत भारी संख्या में पुलिस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च नगर के गांधी चौक, मीना बाजार, मिस्कॉट, हनुमानगढ़ी, पंच मंदिर

एवं ज्ञान बाबू चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरा। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, सद्भाव और शांति के साथ मनाने की अपील की। डीएम श्री यादव और एसपी श्री प्रभात ने कहा कि पर्व के दौरान जिला प्रशासन हर स्तर पर सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने सभी नागरिकों से मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व संपन्न कराने में सहयोग करने का आग्रह किया। फ्लैग मार्च में सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा एवं सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा भी उपस्थित रहे।

मुहर्रम को लेकर प्रशासन सतर्क, एसडीएम-डीएसपी ने निकाला फ्लैग मार्च

बीएनएम@ मोतिहारी/पचपकड़ी

आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से सिकरहना अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में शुक्रवार को पचपकड़ी थाना क्षेत्र में प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया।

सिकरहना एसडीएम विजय कुमार एवं डीएसपी अभिषेक कुमार के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च पचपकड़ी बाजार, भंडार, सपही समेत विभिन्न गांवों और संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

अधिकारियों ने आमजन से किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को देने का आग्रह किया।

फ्लैग मार्च के दौरान बाजारों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया।

एसडीएम विजय कुमार ने कहा कि मुहर्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं डीएसपी अभिषेक कुमार ने बताया कि पर्व के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

फ्लैग मार्च में पचपकड़ी थानाध्यक्ष उत्तम कुमार, अपर थानाध्यक्ष सन्नी कुमार पाठक सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। प्रशासन का कहना है कि मुहर्रम पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

फ्लैग मार्च से आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम सख्त, योजनाओं के नियमित अनुश्रवण का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में बुधवार देर संध्या नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले में संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी श्री यादव ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित करें। साथ ही विद्यालयों को उपलब्ध कराई गई सामग्री का समुचित उपयोग कराने पर विशेष बल दिया। डीएम ने कहा कि विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेल सामग्री एवं वाद्य

यंत्रों का नियमित उपयोग कराया जाए तथा इसकी निगरानी के लिए नोट कैम से फोटो लेकर भेजना सुनिश्चित किया जाए।मॉडल स्कूल एवं पीएम श्री विद्यालयों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि इन विद्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाएं यथाशीघ्र उपलब्ध कराई जाएं। वहीं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के नियमित निरीक्षण, छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति तथा आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में विद्यालयों में चल रहे असैनिक एवं निर्माण कार्यों को समय पर प्रारंभ कर शीघ्र पूर्ण कराने पर भी जोर दिया गया। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, नगर आयुक्त आशीष कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरि सहित शिक्षा विभाग के कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी उपस्थित थे।

अपराध की योजना बना रहे सात बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया

मझौलिया थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अपराध की योजना बना रहे सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक डायगर चाकू तथा चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जून 2026 को करीब 3 बजे मझौलिया थानाध्यक्ष अमर कुमार को सूचना मिली कि ग्राम बेखबरा बिन टोली वार्ड संख्या-07 में कुछ युवक आपराधिक घटना की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलने के बाद वरीय पुलिस अधिकारियों को अवगत कराते हुए तत्काल छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में नितेश कुमार (19), बिरजन कुमार (22), मिन्टू कुमार (19), रंजीत कुमार (25), श्री मुखिया (24), लालबाबू कुमार (19) तथा दिनेश कुमार (19) शामिल हैं। इनमें अधिकांश आरोपी पश्चिम चंपारण जिले के विभिन्न गांवों के निवासी हैं, जबकि एक आरोपी पूर्वी चंपारण जिले के पलनवा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक डायगर चाकू और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। छापेमारी टीम में मझौलिया थानाध्यक्ष अमर कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अनुज कुमार ओझा, सहायक अवर निरीक्षक रमेश कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक भूपेन्द्र राम तथा थाना रिजर्व बल के जवान शामिल थे।

तीन बच्चों की मौत मामले में मां गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी

बीएनएम@ बेतिया

चनपटिया थाना क्षेत्र के बरोहिया नहर में तीन बच्चों के शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। जांच के दौरान बच्चों की मां को आरोपी पाया गया है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार 23 जून 2026 को पूर्वाह्न करीब 10:05 बजे सूचना मिली कि बरोहिया नहर में एक बच्ची का शव तैर रहा है। स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेजा गया। मृत बच्ची की पहचान अंशु कुमारी (4 वर्ष), पिता रामबाबू यादव, निवासी

भंगहा, थाना कुमारबाग, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई।

इसी दिन अपराह्न 3:52 बजे सूचना मिली कि नहर के समीप दो अन्य बच्चों के शव भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रियांशु कुमारी (4 माह) एवं नितेश कुमार (3 वर्ष) के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया।

मामले की जांच के दौरान प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने गहन छानबीन की। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि बच्चों की मां ललिता देवी भोर में तीनों बच्चों को लेकर घर से निकली थीं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि हरपुर के समीप नहर पहुंचने के बाद उन्होंने तीनों बच्चों को नहर में फेंक दिया तथा स्वयं भी नहर में कूद गई थीं। बच्चों की मौत डूबने के कारण हुई।

इस संबंध में चनपटिया थाना कांड संख्या 231/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी ललिता देवी को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रभात फेरी का आयोजन, जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी एवं दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

बीएनएम@ मोतिहारी

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जिला मुख्यालय में जन-जागरूकता हेतु प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाकर एवं प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रभात फेरी में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स व एनसीसी के कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनके साथ सामाजिक सुरक्षा कोषांग एवं बुनियाद केंद्र के पदाधिकारी एवं कर्मी भी शामिल रहे। प्रभात फेरी के दौरान प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति संबंधी जागरूकता नारों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि नशा मुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासनिक प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी एवं युवाओं की सक्रिय भूमिका से ही संभव है। उन्होंने सभी नागरिकों से नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा स्वयं भी नशे से दूर रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नशा मुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाना था। प्रभात फेरी शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां आम नागरिकों को नशा त्यागने एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा कोषांग एवं बुनियाद केंद्र के पदाधिकारी एवं कर्मी सहित भारत स्काउट्स एंड गाइड्स तथा एनसीसी के कैडेट बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 : बिहार शिक्षा विभाग ने मांगे ऑनलाइन आवेदन

10 जुलाई तक खुला रहेगा पोर्टल

बीएनएम@ पटना। बिहार शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए पात्र शिक्षकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसकी अंतिम तिथि 10 जुलाई 2026 तय की गई है। विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और संबंधित शिक्षा बोर्डों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के तहत प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। इच्छुक शिक्षक भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसके बाद जिला चयन समिति आवेदनों की जांच करेगी। इस बार चयन प्रक्रिया में महिला शिक्षकों को यथासंभव 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया जाएगा, और पूर्व वर्षों की भांति नियोजित शिक्षक भी इसके पात्र होंगे। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने बिहार राज्य संस्कृत शिक्षा बोर्ड और बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड को भी इस संबंध में पत्र भेजा है। निर्देशानुसार, जिला समिति अधिकतम तीन नाम राज्य चयन समिति को भेजेगी। विशेष परिस्थितियों में दिव्यांग या विशेष शिक्षक वर्ग से एक अतिरिक्त नाम भेजा जा सकेगा। अधिकारियों को पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी करने को कहा गया है।

550 प्रतिभागियों ने समाज को दिया स्वस्थ रहने का संदेश

समस्तीपुर में एनसीसी कैडेट्स और युवाओं ने ली सामूहिक शपथ

बीएनएम@ समस्तीपुरः समस्तीपुर जिला प्रशासन और सामाजिक सुरक्षा कोषांग के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गुरुवार को समाहरणालय परिसर में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17 से 26 जून 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत जिला पदाधिकारी

रोशन कुशवाहा ने जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन पूरे जिले में भ्रमण कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करेगा।इसके बाद समाहरणालय सभाकक्ष में दीप प्रज्वलन के साथ औपचारिक कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें हस्ताक्षर अभियान, सेल्फी प्वाइंट, रंगोली प्रतियोगिता और सामूहिक शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस मौके पर एनसीसी कैडेट्स और मुस्कान नशा मुक्ति केंद्र सहित विभिन्न संस्थाओं के करीब 550 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह सहित कई वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में युवाओं को नशे से बचाने और एक स्वस्थ, नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

बेटी की शादी के लिए राजू सहनी ने बढ़ाया मदद का हाथ

ग्रामीणों ने जताया आभार

बीएनएम@ समस्तीपुर। उजियारपुर प्रखंड के रामचंद्रपुर अंधैल पंचायत (चंदौली, वार्ड-12) की गरीब विधवा इसावती देवी के सामने अपनी सबसे छोटी पुत्री नमिता कुमारी के विवाह को लेकर आर्थिक तंगी के कारण भारी चिंता थी। आवश्यक सामग्री जुटाने में असमर्थ इसावती ने जब यह समस्या पूर्व

मुखिया उमेश प्रसाद सहनी के समक्ष रखी, तो उन्होंने तुरंत दूरभाष के माध्यम से समाजसेवी राजू सहनी को इसकी सूचना दी। गरीबों के मसीहा के रूप में पहचान रखने वाले राजू सहनी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत मदद का हाथ बढ़ाया। उन्होंने विवाह के लिए आवश्यक फर्नीचर सेट (कोच, पलंग, कुर्सी, टेबल), रजाई, गद्दा, ट्रंक और कपड़ों के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी प्रदान की। इस सहयोग से परिवार की बड़ी चिंता दूर हुई और विवाह समारोह सम्मानपूर्वक संपन्न हुआ। राजू सहनी के इस मानवीय प्रयास की ग्रामीणों सहित पूर्व मुखिया उमेश प्रसाद सहनी, महेश सहनी, बैजनाथ सहनी, सत्यदेव सहनी और पूर्व मुखिया राजन देवी ने सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि राजू सहनी लगातार असहायों की मदद कर समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं, जिससे दूसरों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

कक्षा 9वीं के पाठ्यक्रम में शामिल हुआ 'आपातकाल'

नए सत्र से छात्र पढ़ेंगे 1975-77 का इतिहास

बीएनएम@ पटनाः राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने स्कूली पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव करते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 की सामाजिक विज्ञान की नई पुस्तक में 1975 से 1977 के बीच लागू आपातकाल को विस्तृत रूप से शामिल किया है। "Understanding

Society: India and Beyond – Part 1" नामक इस नई पुस्तक में जोड़े गए विशेष अध्याय का उद्देश्य छात्रों को भारतीय लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण व चुनौतीपूर्ण दौर से परिचित कराना है। इस अध्याय के माध्यम से छात्र आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका, नागरिक स्वतंत्रताओं और मौलिक अधिकारों पर पड़े गहरे प्रभाव का अध्ययन करेंगे।शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इस विषय को स्कूली स्तर पर शामिल करने से नई पीढ़ी में भारत के संवैधानिक और लोकतांत्रिक इतिहास की बेहतर समझ विकसित होगी। एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि इस बदलाव का उद्देश्य किसी राजनीतिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि छात्रों को ऐतिहासिक तथ्यों से अवगत कराना है। यह अध्याय समझाता है कि लोकतंत्र की मजबूती और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा कितनी जरूरी है, जिसे लेकर अब शिक्षा जगत से लेकर राजनीतिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है।

चकदहवा गांव में बाघ का आतंक

बीएनएम@ बगहाः वीटीआर से सटे चकदहवा गांव में मंगलवार देर रात आसीन अंसारी के तबेले में घुसकर एक बाघ ने खूंटे से बंधी भैंस को मार डाला और उसके शरीर के कुछ हिस्से को खा लिया। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पूर्व मुखिया मोहम्मद कलाम और पूर्व बीडीसी गुलाब अंसारी की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से मृत भैंस के शव को दफनाया। रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि जांच जारी है और पीड़ित पशुपालक को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। घटना से ग्रामीणों में दहशत है।

शेखपुरा में नशा विमुक्ति समारोह आयोजित, डीएम ने दिलाई शपथ

बीएनएम@ शेखपुरा। 17 से 26 जून तक चल रहे नशा मुक्ति सप्ताह के तहत गुरुवार को समाहरणालय स्थित मंथन सभागार में नशा विमुक्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी शेखर आनंद ने की। "नशा मुक्त भारत अभियान हेतु विकसित भारत की पहचान" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई और समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त बनाने का आह्वान किया। इस दौरान अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं अन्य उपस्थित लोगों ने नशा विमुक्ति जागरूकता हस्ताक्षर अभियान में भी भाग लिया। नशा मुक्ति सप्ताह के दौरान जिले भर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अंतर्गत विद्यालयों में क्विज, निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को जिला पदाधिकारी द्वारा समारोह में मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पल्स पोलियो अभियान को लेकर बीएलटीएफ की बैठक संपन्न, शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य

बीएनएम@ पताही

आगामी राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय, पताही में प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स (बीएलटीएफ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार ने की। इस दौरान 28 जून से 3 जुलाई तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षित भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसकी सफलता के लिए सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकर्ताओं, जीविका दीदियों तथा शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रखंड क्षेत्र का कोई भी पांच वर्ष तक का बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए घर-घर जाकर विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है। बैठक में उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. परवेज आलम ने बताया कि अभियान के दौरान निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग जरूरी है। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राज कुमार ने अभियान की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि वैक्सीन, कोल्ड चेन, बूथ संचालन और स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। वहीं सतीश मिश्रा ने जन-जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि लोगों को अभियान के प्रति जागरूक कर अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून को बूथ दिवस आयोजित किया जाएगा, जबकि इसके बाद 3 जुलाई तक घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं और पोलियो मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करें।

भोजपुर एनकाउंटरः बिलौटी गांव पहुंची न्यायिक जांच टीम, परिजनों के बयान दर्ज

बीएनएम@ आरा/भोजपुर

भोजपुर जिले के बहुचर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच ने अब तेजी पकड़ ली है। मामले की निष्पक्ष सच्चाई सामने लाने के लिए गठित जांच आयोग के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद सिन्हा अपनी टीम के साथ गुरुवार को बिलौटी गांव पहुंचे। जांच दल ने उस सटीक स्थान का बारीकी से निरीक्षण किया, जहां पुलिस के दावों के अनुसार भरत तिवारी और पुलिस बल के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान शाहाबाद रेंज के आईजी सत्य प्रकाश, भोजपुर के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने घटनास्थल की भौगोलिक स्थिति, उपलब्ध साक्ष्यों और पुलिस द्वारा प्रस्तुत घटनाक्रम का गहनता से अध्ययन किया, साथ ही अधिकारियों से घटना के समय की परिस्थितियों और की गई कार्रवाई के संबंध में विस्तृत पूछताछ की।घटनास्थल का मुआयना करने के बाद, रिटायर्ड जज विनोद सिन्हा भरत तिवारी के घर पहुंचे और उनके माता-पिता व भाई से मुलाकात की। पीड़ित परिवार ने इस एनकाउंटर को लेकर अपनी गंभीर आपत्तियां और घटना से जुड़े अहम तथ्यों को जांच दल के सामने रखा, जिसके बाद टीम ने परिजनों के आधिकारिक बयान दर्ज किए। सूत्रों के मुताबिक, न्यायिक जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों से भी तीखे सवाल-जवाब किए गए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि घटना के समय पुलिस की रणनीति क्या थी, मुठभेड़ के हालात कैसे बने और क्या यह पूरी कार्रवाई तय कानूनी प्रक्रियाओं के अनुरूप थी। इस एनकाउंटर को लेकर शुरुआत से ही लगातार सवाल उठ रहे हैं, ऐसे में इस उच्च स्तरीय न्यायिक जांच से मामले के कई अनसुलझे पहलुओं पर से पर्दा उठने की उम्मीद बढ़ गई है। अब सभी की नजरें आयोग की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो इस पूरी घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और सच को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

लोको पायलटों ने इमरजेंसी ब्रेक लगा मां-बच्चे सहित तीन को बचाया

डीआरएम ने किया सम्मानित

बीएनएम@ समस्तीपुर

भारतीय रेल के लोको पायलट और सहायक लोको पायलट केवल ट्रेनों के सुरक्षित एवं समयबद्ध संचालन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि संकट की घड़ी में मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए लोगों की जान बचाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल में हाल के दिनों में घटी तीन अलग-अलग घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि रेलकर्मी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति कितने सजग और संवेदनशील हैं। इन घटनाओं में चालक दल की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से कई लोगों की जान बचाई जा सकी, जिसके लिए मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा ने उन्हें सराहना पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पहली घटना 22 जून 2026 की है, जब समस्तीपुर-सहरसा सवारी गाड़ी के लोको पायलट अभय कुमार व सहायक लोको पायलट जय प्रकाश कुमार-1 ने सलौना और इमली स्टेशनों के बीच पटरी पर एक मां-बच्चे को लेटा देख इमरजेंसी ब्रेक लगाकर उनकी जान बचाई। इससे पूर्व, 1 मई 2026 को रक्सौल-दरभंगा सवारी गाड़ी के लोको पायलट पंकज कुमार व सहायक लोको पायलट श्रवण कुमार शर्मा ने ढेंग और रीगा के बीच पटरी पर लेटे एक लड़के को देखकर आपातकालीन ब्रेक लगाया और मासूम की जान बचाई। वहीं, 22 मई 2026 को मालगाड़ी के लोको पायलट मनोज कुमार-2 व सहायक लोको पायलट मनी भूषण कुमार ने ट्रैक पर लेटी एक महिला को देखकर भारी-भरकम ट्रेन को समय रहते रोककर आत्महत्या के प्रयास को विफल कर दिया। वरीय मंडल विद्युत इंजीनियर (परिचालन) संजय कुमार की उपस्थिति में डीआरएम ने इन सभी रेलकर्मियों की सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता और मानवीय दृष्टिकोण की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सिसवा फाल में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, तीन दिवसीय अनुष्ठान शुरू, 551 कन्याओं ने उठाया कलश

बीएनएम@ नरकटियागंज (पश्चिम चंपारण)

केहूनिया रोअरी पंचायत के सिसवा फाल गांव में गुरुवार को नवनिर्मित हनुमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर था और इस पावन यात्रा में 551 कन्याओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। यह शोभायात्रा शिव मंदिर परिसर से शुरू होकर मारवाड़ी नोनिया टोला घाट स्थित बलोर नदी तक पहुंची। यात्रा के दौरान हाथी, घोड़े, ऊंट और पारंपरिक बाजे-गाजे मुख्य आकर्षण रहे, जबकि पूरा मार्ग 'जय श्रीराम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान रहा।बलोर नदी घाट पर अयोध्या से आए विद्वान आचार्य पंडित सत्यम द्विवेदी, नथुनी द्विवेदी एवं तपन द्विवेदी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जलबोझी संस्कार संपन्न कराया गया। इसके बाद श्रद्धालु वापस मंदिर परिसर लौटे, जहां तीन दिवसीय (25 से 27 जून) यज्ञ एवं प्राण-प्रतिष्ठा महाअनुष्ठान का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में नीलमणि तिवारी, चंद्रमणि तिवारी, राजेंद्र राम, दिनेश कुशवाहा सहित ग्रामवासियों और यजमानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, वहीं बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने इसकी भव्यता को और बढ़ा दिया।

भीमसेनी एकादशी पर लाखों श्रद्धालुओं ने किए भगवान विष्णु के दर्शन, भक्तों ने की विशेष पूजा-अर्चना

बीएनएम@ गयाजी

धार्मिक नगरी गया के ऐतिहासिक विष्णुपद मंदिर में गुरुवार को निर्जला (भीमसेनी) एकादशी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अहले सुबह से ही मंदिर परिसर और फल्गु तट पर भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु के गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मान्यता है कि वर्ष भर की 24 एकादशियों का व्रत न कर पाने वाले यदि इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत रखें, तो उन्हें संपूर्ण एकादशियों के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। इस दिन दान-पुण्य और प्यासों को जल पिलाने का विशेष महत्व है।भीड़ को देखते हुए गया के महापौर गणेश पासवान ने बताया कि नगर निगम द्वारा पेयजल टैंकर, अस्थाई शौचालय और फल्गु नदी तट पर स्नान की व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। कई समाजसेवी संगठनों ने भी निःशुल्क भोजन व पेयजल शिविर लगाए हैं। लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासनिक अधिकारी लगातार मेला क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं।

डीएम ने सुनीं भूमि विवाद और पेंशन से जुड़ी शिकायतें

बीएनएम@ गयाजी

समाहरणालय स्थित कार्यालय में आये अनेको व्यक्तियों की समस्या को डीएम शशांक शुभंकर ने सुना। जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 50 से अधिक आमजनों की समस्याएँ सुनीं। इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, पेंशन योजना, मुआवजा, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने डीएम के समक्ष रखा।डीएम श्री शुभंकर ने सभी संबंधित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और प्रत्येक विभागीय पदाधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें।

बाइक अनियंत्रित होकर पलटने से युवक की मौके पर ही मौत

» परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था युवक

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दशहरा पंचायत से गुजरने वाली एनएच-122बी पर बुधवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान डुमरी उत्तरी पंचायत निवासी उमेश पासवान के पुत्र समरजीत पासवान के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, समरजीत किसी आवश्यक कार्य से अपनी बाइक से मोहिउद्दीननगर बाजार जा रहा था। इसी दौरान दशहरा पंचायत के धानुक टोली के समीप उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि समरजीत के सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही घटनास्थल पर स्थानीय ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर मोहनपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। अपर थानाध्यक्ष विनय कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। मृतक के पिता उमेश पासवान ने बताया कि समरजीत परिवार का एक जिम्मेदार सदस्य था, जिसकी कमाई से पूरे घर का भरण-पोषण होता था। उसकी असमय मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे गांव में शोक की लहर है। अपर थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह बाइक के असंतुलित होने से हुई दुर्घटना का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तथा परिजनों से आवेदन मिलने के बाद आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी में गड़बड़ी मिली तो कर्मियों पर होगी कानूनी कार्रवाईः मंत्री

बीएनएम@ पटना

बिहार सरकार की समाज कल्याण मंत्री श्वेता गुप्ता ने राज्य की आंगनबाड़ी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए ऑनलाइन मॉनिटरिंग की घोषणा की है। गुरुवार को पटना स्थित जनता दल (यूनाइटेड) कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों की ऑनलाइन निगरानी के जरिए बच्चों की नियमित उपस्थिति, पौष्टिक आहार और समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी केंद्र पर अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों और अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जनसुनवाई के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास से जुड़े विवाद पर मंत्री ने कहा कि कानून सबके लिए समान है और नियमों का पालन सभी को करना चाहिए। वहीं, भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर सरकार का पक्ष रखते हुए उन्होंने बताया कि इस मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच के आदेश दिए जा चुके हैं और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार प्रशासनिक जवाबदेही, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। समाज कल्याण विभाग की इस ऑनलाइन मॉनिटरिंग पहल को राज्य में महिला एवं बाल विकास सेवाओं तथा बच्चों के पोषण व स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

खतरे की घंटी बजा

टीसीएस में मानव कर्मचारियों की संख्या आधी रह जाएगी। जो वहां होगा, वही रुझान अन्य आईटी कंपनियों में भी देखने को मिल सकता है। भारत की आईटी इंडस्ट्री में फिलहाल 60 लाख से ज्यादा कर्मचारी हैं। टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन दो टूक यह कह कर खतरे की घंटी बजा दी है कि उनकी कंपनी में अब जितने मानव कर्मचारी होंगे, उतनी ही संख्या आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) एजेंट लगाए जाएंगे। इसका सीधा मतलब यह है कि मानव कर्मचारियों की संख्या अगले कुछ वर्षों में आधी रह जाएगी। जो टीसीएस में होगा, जाहिर है, वही रुझान अन्य आईटी कंपनियों में भी देखने को मिलेगा। भारत की आईटी इंडस्ट्री में फिलहाल 60 लाख से ज्यादा कर्मचारी हैं। इस क्षेत्र में तनख्वाह अपेक्षाकृत ज्यादातर अन्य क्षेत्रों से अधिक रही है। इस रूप में ये उद्योग भारत में उपभोक्ता मध्य वर्ग का सबसे बड़ा सहारा है। आय कर दाताओं में सबसे बड़ा हिस्सा आईटी कर्मियों का ही है। अब अगर रोजगार के लिहाज से देखें, तो एआई इस क्षेत्र के लिए तलवार बन कर आई है। नए डिग्रीधारियों के लिए अवसर यहां पहले से सिकुड़ रहे हैं। पिछले साल कर्मचारियों की छंटनी भी जोर पकड़ गई। खुद टीसीएस से 12 हजार कर्मी निकाले गए। अब चंद्रशेखरन ने साफ किया है कि यह सब नीतिगत निर्णय के तहत हो रहा है। मतलब यह कि साल 2000 के आसपास इंजीनियरिंग कॉलेज की डिग्री लेकर बेहतर करियर बना लेने का जो भरोसा भारत में बना, अब उसकी नींव हिलने लगी है। नौकरियों की संभावना नहीं होगी, तो इंजीनियरिंग कॉलेजों के फैले जाल पर भी बुरा असर पड़ेगा। आशंका पहले से जताई जा रही है कि इन सबका असर मध्य वर्ग के सिकुड़ने के रूप में सामने आएगा। यानी आईटी इंडस्ट्री में जो होने जा रहा है, उसके परिणाम दूरगामी हैं। बेशक, एआई से नए कौशल वाली कुछ नौकरियां पैदा होंगी। लेकिन ट्रेंड यह है कि एआई एजेंट दोहराव वाले हर ऐसे कार्य के लिए प्रशिक्षित होते जा रहे हैं, जिनमें तकनीकी कौशल की जरूरत पड़ती है। स्पष्टतः जितनी नौकरियां जाएंगी, उसकी तुलना में बहुत कम नए रोजगार पैदा होंगे। और यह तो सिर्फ आईटी इंडस्ट्री की बात है। एआई का उपयोग ऐसे अनेक क्षेत्रों में बढ़ रहा है, जहां ह्वाइट कॉलर रोजगार के अवसर बनते रहे हैं। वहां भी तलवार गिरने वाली है।

भारत से शिकागो और फिर हुगली तक : स्वामी विवेकानंद के योग संदेश की वैश्विक यात्रा

प्रतापराव जाधव

समूचे इतिहास में, कुछ विचार सरहदों के पार जाकर समाजों को बदलते रहे हैं। योग भारत की प्राचीनतम परंपराओं में से एक है, जिसकी यात्रा प्राचीन शास्त्रों से शुरू होकर वैश्विक मान्यता तक जा पहुँची है।

योग शब्द — जो संस्कृत के मूल शब्द युज से लिया गया है, जिसका अर्थ है जोड़ना या एकत्व स्थापित करना- अपने भीतर दार्शनिक चिंतन और व्यावहारिक अनुशासन की एक समग्र प्रणाली समाहित किए हुए है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति (जीवात्मा) का सार्वभौमिक चेतना (परमात्मा) के साथ मिलन कराना है। योग के प्रारंभिक बीज ऋग्वेद (लगभग 1500–1200 ईसा पूर्व) में मिलते हैं, जहाँ तप और ध्यान जैसी अवधारणाओं का उल्लेख किया गया है। आगे चलकर इन विचारों का विकास उपनिषदों में हुआ, जिन्होंने योग के अनेक दार्शनिक सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया। हालाँकि योग को उसका सर्वाधिक व्यवस्थित स्वरूप महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र (लगभग 200 ईसा पूर्व–400 ईस्वी) ने प्रदान किया- इसमें अष्टांग योग अथवा आठ अंगों वाले मार्ग का वर्णन किया गया है, जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि शामिल हैं। पतंजलि के अलावा, भगवद गीता योग को जीवन जीने के गतिशील दर्शन के रूप में प्रस्तुत करती है। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र की पृष्ठभूमि में भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद मानव कर्तव्य, उद्देश्य और आध्यात्मिक उन्नति के विषय में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भगवद्गीता में वर्णित विभिन्न मार्गों में कर्म योग (निःस्वार्थ कर्म का मार्ग), ज्ञान योग (ज्ञान का मार्ग) और भक्ति योग (भक्ति का मार्ग) मुक्ति प्राप्ति के तीन प्रमुख पथ माने गए हैं। अतः भारत केवल योग की जन्मभूमि ही नहीं है—यह एक जीवंत सभ्यता है, जहाँ योग सहस्राब्दियों से स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है, और जो इसकी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा दार्शनिक संरचना का अभिन्न अंग रहा है।

हालाँकि, औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीय समाज के शिक्षित वर्ग का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी बौद्धिक विचारधाराओं से प्रभावित होने और योग सहित भारत की अनेक पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं को बदलती आधुनिक दुनिया में अपेक्षाकृत कम प्रासंगिक माना जाने लगा। ऐसे महत्वपूर्ण समय में, स्वामी विवेकानंद एक सशक्त स्वर बनकर उभरे, जिन्होंने लोगों को योग के वास्तविक महत्व को फिर से जानने में मदद की। स्वामी विवेकानंद ने अपने उपदेशों और विश्व धर्म संसद में दिए ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया का ध्यान भारत की आध्यात्मिक विरासत की ओर आकृष्ट किया और योग की शाश्वत ज्ञान-परंपरा के प्रति लोगों में नया विश्वास जगाया। उन्होंने विश्व के विभिन्न भागों के लोगों के साथ वेदांत और योग के सिद्धांत साझा किए तथा यह स्पष्ट किया कि योग केवल एक धार्मिक साधना नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत विकास, आंतरिक शांति और आत्म-विकास का मार्ग भी है। विदेशों में स्वामी विवेकानंद को मिले व्यापक सम्मान और प्रशंसा ने भारतीयों के मन में अपनी प्राचीन परंपराओं और संस्कृति के प्रति नया विश्वास और गौरव उत्पन्न किया।

स्वामी विवेकानंद ने शिकागो - और उसके बाद अमेरिका भर में तथा यूरोप के विभिन्न देशों में अपने व्याख्यानों के माध्यम से पश्चिमी जगत को राजयोग (मन के नियंत्रण का योग), ज्ञानयोग (विवेक और ज्ञान का मार्ग), कर्मयोग (निःस्वार्थ सेवा का मार्ग) तथा भक्तियोग (ईश्वर-प्रेम और समर्पण का मार्ग) से परिचित कराया। पतंजलि के योग सूत्रों पर आधारित उनकी पुस्तक राजयोग (1896), पश्चिमी समाज के लिए योग-दर्शन का परिचय कराने वाली प्रारंभिक और सर्वाधिक प्रभावशाली कृतियों में से एक बन गई।

राजयोग पर दिए अपने व्याख्यानों में स्वामी विवेकानंद ने योग को मानव चेतना के आंतरिक आयामों की खोज करने वाली एक व्यवस्थित और अनुभव-आधारित साधना के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि मानवता के लिए भारत का सबसे बड़ा योगदान उसकी आध्यात्मिक ज्ञान-परंपरा है, और योग उस परंपरा की सबसे गहन तथा स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक है। उनके विचारों ने उस समय के जाने-माने बुद्धिजीवियों और विचारकों का ध्यान खींचा, जिससे भारतीय दर्शन के साथ पश्चिमी देशों का जुड़ाव और बढ़ा।

जो बात शायद कम चर्चित है— किंतु उतनी ही महत्वपूर्ण है, — वह यह है कि पश्चिमी देशों में स्वामी विवेकानंद के कार्यों ने भारत के भीतर ही योग के पुनर्जागरण को प्रेरित किया। जब स्वामी विवेकानंद 1897 में भारत लौटे, तो वे खाली हाथ नहीं लौटे थे। वह अपने साथ एक नया आत्मविश्वास – भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व की एक नई भावना लाए थे – जो पश्चिम में उनके स्वागत से और बढ़ गई थी।

1897 में भारत लौटने के बाद, स्वामी विवेकानंद ने देशभर में व्याख्यान दिए और लोगों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पुनः खोजने के लिए प्रेरित किया। 1 मई 1897 को, स्वामी विवेकानंद ने हावड़ा के बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की — जो हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर है, उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर जहाँ रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर में अपने आखिरी साल बिताए थे। बंगाल में हुगली नदी के तट पर स्थापित यह संस्थान एक आंदोलन का वैश्विक मुख्यालय बन गया, जिसने वेदांत के आदर्शों, सेवा को पूजा मानना (शिव ज्ञाने जीव सेवा) तथा योग-दर्शन के व्यावहारिक अनुप्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे आध्यात्मिक गुरुओं की धरती होने के बावजूद, बदलते समय के साथ बंगाल में योग की सार्वजनिक दृश्यता धीरे-धीरे कम होती गई। जीवनशैली में परिवर्तन, आधुनिक प्राथमिकताओं के उभरने और सामाजिक संरचना में बदलाव के कारण योग धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन के केंद्र से दूर होता गया। फिर भी, इसकी जड़ें आध्यात्मिक संस्थाओं और समर्पित साधकों के माध्यम से जीवित रहीं।

11 सितंबर 1893 को, अमेरिका के बहनों और भाइयों के अमर अभिवादन के साथ शुरुआत करते हुए, स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया। अब यह पंक्तियाँ पश्चिम बंगाल के बहनों और भाइयों, अपने ही घर में योग की घर वापसी के साक्षी बनिए- शिकागो के वैश्विक मंच से लेकर हुगली के तट तक - गहरे भावनात्मक संबंध को व्यक्त करती हैं, जो हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती हैं, जब स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया था। उनका संदेश भारत से विश्व तक पहुँचा और योग, सामंजस्य तथा आंतरिक शांति के मूल्यों का प्रसार करता गया।

आज हुगली के तटों पर जो लौटा है, वह स्वयं योग नहीं है—क्योंकि भारत में योग कभी समाप्त ही नहीं हुआ—बल्कि योग के प्रति वह नवीनीकृत वैश्विक मान्यता और सराहना है, जिसकी शुरुआत भारत के प्राचीन ऋषियों से हुई और जिसे स्वामी विवेकानंद के संदेश ने विश्व मंच पर नए रूप में अभिव्यक्त किया। यह आज लौट आया है — पुनर्जीवित, पुनःमान्य और पुनःस्थापित होकर — बंगाल में हुगली नदी के तट पर, जहाँ बेलूर मठ आज भी उस यात्रा की जीती-जागती यादगार के तौर पर खड़ा है। आज जब विश्वभर में योग का अभ्यास किया जा रहा है और जब दुनिया इसे एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता देती है, — ऐसे में यह याद रखना आवश्यक है कि योग की यह वैश्विक यात्रा अपने केंद्र में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक मिशन को समाहित किए हुए है।

आज, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के साथ, ऐसा लग रहा है मानो योग की खूबसूरत घर वापसी उसी सरजमीं पर हो रही है, जहाँ से इसके संदेश ने विश्व मंच तक की अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। हुगली नदी के तट एक बार फिर इस बात के साक्षी बन रहे हैं कि लोग एक ऐसी परंपरा का उत्सव मनाने के लिए एकत्र हो रहे हैं, जिसने महासागरों पार किया था और अब ज़्यादा पहचान और सम्मान के साथ लौटी है।

शिकागो से हुगली तक की यात्रा केवल एक अभ्यास की यात्रा नहीं है; यह एक विचार — और वास्तव में एक भावना — की यात्रा है, जो संतुलन, करुणा और आत्म-चेतना के माध्यम से तथा आंतरिक सामंजस्य की खोज के द्वारा मानवता को निरंतर जोड़ती रहती है।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं)

नया भारत संदेह से भरोसे की ओर और डर से आजादी की ओर बढ़ रहा है

पीयूष गोयल

दशकों तक, भारत की नियामक प्रणाली नागरिकों को गहरे अविश्वास की नज़र से देखती थी। नागरिकों को मामूली, प्रक्रियात्मक गलतियों या किसी अधिकारी के केवल शक के आधार पर अपराधी मान लिया जाता था। एक सुखद बदलाव के तौर पर, मोदी सरकार ने आम आदमी के लिए भरोसे और सहानुभूति पर आधारित नीतियां बनाई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों और व्यवसायों का समर्थन करने, अनुपालन को सरल बनाने और व्यवसायों के सामने आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को स्वीकार करते हुए भारत के कानूनी परिदृश्य में सुधार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। चाहे अनुपालन बोझ कम करना हो, डिजिटलीकरण हो, या एकल-खिड़की मंजूरी हो, कुल मिलाकर बदलाव का मकसद शासन को अधिक तर्कसंगत और कुशल बनाना रहा है।

प्रधानमंत्री का विश्वास और सहानुभूति पर आधारित शासन का मंत्र स्पष्ट रूप से जन विश्वास अधिनियम, 2026 और 2023 के इसी तरह के एक कानून में दिखाई देता है। नागरिक-अुकूल - एक नागरिक-अनुकूल नियामक वातावरण बनाने और अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए, नया कानून मामूली अपराधों से निपटने के लिए स्पष्ट सिद्धांत अपनाता हैः दंड से पहले चेतावनी देना, अपराध की गंभीरता के अनुसार जुर्माना तय करना, त्वरित और पारदर्शी समाधान और जुर्माने का एक गतिशील ढांचा, जिसमें समय-समय पर संशोधन होता हो, ताकि नियम लागू करने का तरीका प्रभावी, प्रासंगिक और समय के साथ उत्तरदायी बना रहे। यह नियामक दृष्टिकोण, अनुपालन और लागू करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव है, जो प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि भारत की 21वीं सदी की आकांक्षाएँ औपनिवेशिक शासन के पुराने तरीकों के माध्यम से पूरी नहीं हो सकतीं। इस सुधार का पैमाना अभूतपूर्व है। जन विश्वास अधिनियम 23 मंत्रालयों के 79 केंद्रीय कानूनों से जुड़े 784 प्रावधानों को संशोधित करता है। यह लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए 717 प्रावधानों को अपराधमुक्त करता है और 67 प्रावधानों को तर्कसंगत बनाता है। यह स्वतंत्र भारत के विधायी इतिहास में सबसे बड़ी अपराधमुक्ति पहल है। यह 1,000 से अधिक अपराधों को तर्कसंगत बनाता है, पुराने और अनावश्यक प्रावधानों को हटाता है, पुराने औपनिवेशिक काल के अप्रचलित अपराधों को ख़त्म करता है और आपराधिक न्यायालयों के बाहर निर्णय और अपील की व्यवस्था को मजबूत करता है।

स्वागत योग्य बदलाव – पहले, किसी घर, इमारत या वाहन में सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच मौजूद होने पर किसी व्यक्ति को तीन महीने की जेल हो सकती थी, यदि वह 'संतोषजनक स्पष्टीकरण' नहीं दे पाया हो। यह औपनिवेशिक काल के शक पर आधारित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें सामान्य आवाजाही को भी संभावित अपराध माना जाता था। यह सुधार इस अपराध को पूरी तरह समाप्त कर देता है और कानून को आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप बनाता है। पिछली व्यवस्था के तहत, यदि किसी व्यक्ति के ड्राइविंग लाइसेंस की समय-सीमा समाप्त हो गयी है, तो अगले ही दिन सड़क पर गाड़ी चलाने पर उस पर आपराधिक आरोप लग जाते थे। नए कानून में 30 दिन की छूट अवधि दी गई है। एक छोटे निर्माता का उदाहरण लें, जो अप्रेंटिसशिप अधिनियम के तहत पंजीकरण का विवरण अद्यतन नहीं कर पाता है। पहले यह एक आपराधिक चूक थी, लेकिन अब केवल नियमों की बार-बार अवहेलना पर ही सख्त कार्रवाई की जा सकती है। इसी तरह, पहले किसी खनन कंपनी की दस्तावेजीकरण प्रक्रिया में हुई चूक के कारण जेल की सज़ा तक हो सकती थी। आज, ऐसे मामलों में सिर्फ जुर्माना लगता है। गैरकानूनी खनन, धोखाधड़ी, जानबूझकर नुकसान और सार्वजनिक हित के गंभीर उल्लंघनों के लिए आपराधिक जिम्मेदारी अभी भी मौजूद है; लेकिन कागज़ी कार्रवाई की कमियों के लिए नहीं। सभी के लिए 12 साल का लाभ – 'जन विश्वास' कानून, सभी नागरिकों के जीवन को आसान बनाने की पीएम मोदी के प्रयासों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री के तौर पर देश-सेवा के 12 सालों में और उससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर, यह पीएम मोदी का प्रमुख मिशन रहा है। जन विश्वास 2026 एक महत्वपूर्ण स्तंभ पर आधारित है। भारत ने 2023 में पहले जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था। इस प्रयास ने दिखाया कि नियमों को लागू करने की प्रक्रिया को कमज़ोर किए बिना गैर-अपराधीकरण से शासन में सुधार किया जा सकता है। 2026 का कानून इस प्रक्रिया को लगभग चार गुना बढ़ा देता है, जो यह संकेत देता है कि यह कोई एक बार की पहल नहीं है, बल्कि सुधार की दिशा में लगातार चलने वाली पहल है। बड़ा मिशन - नया कानून असल में पीएम मोदी के उस बड़े मिशन का हिस्सा है, जिसके तहत भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। इस मिशन में, पीएम ने हर नागरिक को रोटी, कपड़ा और मकान मुहैया कराने की कोशिश की है और यह सुनिश्चित किया है कि कल्याणकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। यह कांग्रेस के शासनकाल से बिलकुल अलग है, जब तत्कालीन पीएम राजीव गांधी ने कहा था कि कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च किए गए धन का सिफ़र् 15त्न ही वास्तव में गरीबों तक पहुँचता है। कम गंभीरता वाले आपराधिक प्रावधानों की जगह प्रशासनिक और मौद्रिक व्यवस्थाएँ लाना, न सिर्फ आम नागरिक के लिए स्वागतयोग्य कदम है, बल्कि यह छोटे व्यवसायों की भी मदद करता है। इससे लागू करने वाली एजेंसियां रोज़मर्रा की तकनीकी गलतियों के बजाय गंभीर उल्लंघनों पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। अदालतें उन मामलों पर ध्यान दे सकती हैं, जिनमें सचमुच न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है। अर्थव्यवस्था और निवेश - इसके फायदे सिफ़र् शासन तक ही सीमित नहीं हैं। तेज़ी से प्रतिस्पर्धी होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में, नियमों की विश्वसनीयता मायने रखती है। वर्षों तक, तकनीकी चूक के लिए आपराधिक मुक़दमे के डर को निवेश के सबसे बड़े रुकावटों में से एक माना जाता था। भारत में 2014 से 2025 के बीच एफडीआई में 143 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और एफडीआई बढ़ने का यह रुझान जारी है। इस विकास में नियामक सुधार की महत्वपूर्ण भूमिका है। 'जन विश्वास 2026' का उद्देश्य भारत को निवेश और कारोबार के लिए ज़्यादा भरोसेमंद और अनुमान लगाने योग्य गंतव्य बनाकर इस रफ़्तार को और तेज करना है।

(लेखक केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)*

मेष राशि : मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व और स्वभाव में सकारात्मक परिवर्तन होने से परिवार वाले प्रसन्न होंगे। पूर्व में किये गये किसी सामाजिक कार्य के लिये आज आपको सम्मानित किया जायेगा। किसी करीबी रिश्तेदार के आने से घर में खुशी का माहौल रहेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपनी खास बात किसी अनजान व्यक्ति से शेयर ना करें। आज माता जी की सलाह से लिया गया निर्णय भविष्य में लाभदायक साबित होगा। आज धर्म-कर्म और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी आस्था बढ़ेगी। छात्र आज कम्प्यूटर कोर्स जॉइन करने का मन बनायेंगे।

मिथुन राशि : मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और अपने रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहने के वजह से लोगों के बीच आप आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। आज रुके हुए काम को पूरा करने के लिए उचित समय है। किसी भी योजना को क्रियान्वित करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह जरूर ले।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यावसायिक कार्यप्रणाली में किसी भी तरह का बदलाव न करें। यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने और आर्थिक स्थितियों को मजबूत करने के लिए उत्तम है। आज आपका पारिवारिक सदस्यों के साथ सुखद समय बीतेगा और घर में मेहमानों के आगमन से चहल-पहल बनी रहेगी। आज ऑफिस के कार्यों में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित जानकारी हासिल कर लेना अवश्य ही सफलता दिलाएगा। आज आपके सरल स्वभाव का कुछ लोग फायदा उठाने की कोशिश करेंगे इसलिए ऐसे लोगों से सतर्क रहे व सुरक्षित रहें। आज अपनी योजनाओं और गतिविधियों को किसी के साथ भी शेयर ना करें।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। आज आपको जो भी काम दिया जायेगा उसे अच्छे से पूरा करने में सफल होंगे। बिजनेस में आपको मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल होंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज अपनी पूरी मेहनत व ऊर्जा अपने कार्यों के प्रति लगायेंगे, जिससे आपको कुछ नई उपलब्धियां प्राप्त होंगी। आज जीवनसाथी तथा पारिवारिक सदस्यों का पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा, जिससे आपसी रिश्तों में प्रेम और सद्भाव बना रहेगा। बिजनेस के कामों में सुधार होगा और स्टाफ और कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए घर का सदस्य आपकी पसंद की वस्तु खरीद सकता है, जिसे पाकर आप आनंदित होंगे। आज वर्कप्लेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी व्यक्ति की सलाह मिलने से आपका हौसला बढ़ेगा और आप काम को अच्छे तरीके से करेंगे। करियर को और बेहतर बनाने के लिये आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। पहले से लोन के लिये किया गया आवेदन आज स्वीकृत हो जायेगा। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अनुभवी लोगों का सहयोग और मार्गदर्शन आपके लिए सहायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार बढ़ने की वजह से थकान रहेगी। आज आपके परिवार में आपसी प्रेम रहेगा। आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आज पारिवारिक संपत्ति संबंधित मामला सुलझ सकता है।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको बहुत खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी मां की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे। आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचें। आपका मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है जिसकी आप अपनी क्षमतानुसार मदद करेंगे।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। मित्रों के साथ बिताए हुए समय के बारे में सोचकर आज आप आनंदित होंगे। आज आपको संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी।

आपातकालः लोकतंत्र के साथ विश्वासघात

डॉ. आशीष वशिष्ठ

25 जून 1975 की मध्यरात्रि को लागू किया गया आपातकाल लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक स्वतंत्रताओं और संविधान की मूल भावना को कुचलने का प्रयास था। 26 जून 1975 की सुबह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आकाशवाणी के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, "राष्ट्रपति ने आपातकाल की घोषणा की है। घबराने की कोई बात नहीं है।" किंतु यह घोषणा भारतीय लोकतंत्र के लिए भयावह दौर की शुरुआत थी। सत्ता बचाने की लालसा में इंदिरा गांधी ने तानाशाही का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी स्मृतियां आज भी उस पीढ़ी को विचलित कर देती हैं।

भारत के लोकतंत्र और राजनीति के लिए यह घोर निराशा का समय था। लोकतंत्र को ठेंगे पर रख कर देश को आपातकाल की गहरी खाई में धकेलने के पीछे महज किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहने की घृणित लालसा व तानाशाही मनोवृति थी। 21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया।

मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया। जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस, मुरली मनोहर जोशी, प्रकाश सिंह बादल, चौधरी चरण सिंह, राजनाथ सिंह जैसे अनेक वरिष्ठ विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों यहां तक कि छात्रों तक को जेल में बंद करा दिया। जेलों में अमानवीय यातनाएं दी गईं। बीमार होने पर दवाएं तक नहीं दी गईं। महिला बंदियों के साथ असम्मानजनक और अमानवीय व्यवहार किया गया। मीसा बंदियों को परिवार के सदस्यों से मिलने की छूट नहीं थी। रात दो बजे उनका स्थानांतरण एक से दूसरे जेल में किया जाता था, जिससे उनके समर्थन में कोई प्रदर्शन न कर सके। इमरजेंसी के दौरान न केवल जेल में आंदोलनकारियों पर जुल्म ढाए गए, बल्कि आम लोगों को भी सरकारी प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा। देशभर में लाखों लोगों को बिना वजह जेल में डाल दिया गया। क्रूर यातनाएं दी गईं। नाखून, दाढ़ी के बाल उखाड़ने, सिगरेट से दागने, पंखे से उलटा लटकाने, बर्फ पर लिटाने और मूत्र पिलाने जैसे अमानवीय कृत्य किए गए। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी के नेतृत्व में नसबंदी अभियान चलाया गया। आपातकाल के दो वर्षों में 1.07 करोड़ नसबंदी की गईं। कहा जाता है कि इस अभियान में अविवाहित युवकों की भी जबरन नसबंदी कर दी गई। कई राज्यों ने आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को नसबंदी से जोड़ दिया। जिन लोगों के दो या तीन से अधिक बच्चे थे और जिन्होंने नसबंदी कराने से इनकार कर दिया, उन्हें राशन, आवास, नौकरी, स्वास्थ्य सेवा और ऋण से वंचित कर दिया गया। आपातकाल के दौरान दिल्ली पर लिखी अपनी पुस्तक में, नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जॉन दयाल और पत्रकार अजय बोस ने लिखा है कि अधिकारियों पर नसबंदी के निर्धारित कोटे को पूरा करने का भारी दबाव था। कनिष्ठ अधिकारियों ने इस आदेश को बेरहमी से लागू किया- संविदा श्रमिकों से कहा गया, "जब तक आप नसबंदी नहीं करवाते, तब तक कोई अग्रिम भुगतान नहीं, कोई नौकरी नहीं।" दिल्ली जैसे शहरी केंद्रों में बेरहमी से लगभग 120,000 झुग्गी-झोपड़ियों को ढहाने की कार्रवाई ने हज़ारों लोगों को बेघर कर दिया और जिससे अकेले दिल्ली में लगभग 700,000 लोग विस्थापित हो गए। उनके कल्याण की कोई चिंता नहीं की गई। दिल्ली के तुर्कमान गेट में झुग्गी-झोपड़ियों को ध्वस्त करने की सबसे भीषण घटनाओं में से एक हुई, जो एक मुस्लिम बहुल इलाका है, जहां पुलिस ने विध्वंस का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और हजारों लोग विस्थापित हो गए। 25 जून की रात दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग की बिजली काट दी गई। वहां कई अखबारों के दफ्तर थे। मकसद था अखबारों को छपने से रोकना. स्टेट्समैन और हिंदुस्तान टाइम्स का दफ्तर कहीं और था तो उनके अखबार निकल गए। हालांकि उन्हें बांटे जाने से रोका गया। सभी न्यूज एजेंसियों और अखबारों को कहा गया कि जो कुछ भी वह छापेंगे, उसे पहले सेंसर को दिखाना होगा। सेंसर की मंजूरी मिलने के बाद ही कोई चीज छापी या प्रसारित की जा सकती थी। अगले दिन दिल्ली के इंडियन एक्सप्रेस और हिंदुस्तान टाइम्स ने विरोध जताने के लिए संपादकीय पन्ने को काला कर दिया। आपातकाल में सर्वाधिक उत्पीड़न आरएसएस व जनसंघ के कार्यकर्ताओं का किया गया। डरी हुई सरकार ने आपातकाल लगाने के पांच दिन बाद ही सरसंघचालक बालासाहब देवरस को गिरफ्तार कर लिया। जयप्रकाश नारायण ने अपनी गिरफ्तारी से पहले लोक संघर्ष समिति का नेतृत्व संघ के पूर्णकालिक नानाजी देशमुख को सौंप दिया था, बाद में उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। आरएसएस, जनसंघ, एबीवीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा कठोर दमन चक्र चलाया गया। आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से 1,00,000 से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक थे। मीसा के तहत कैद 30,000 लोगों में से 25,000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 कार्यकर्ता अधिकांशतः बंदीगृहों और कुछ बाहर आपातकाल के दौरान बलिदान हो गए। उनमें संघ के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख पांडुरंग क्षीरसागर भी थे। इसके बावजूद आरएसएस ने पूरी दृढ़ता से देश के साथ हो रहे अन्याय का पुरजोर विरोध किया। इंदिरा गांधी केवल आपातकाल लागू कर संतुष्ट नहीं हुईं। उन्होंने इसी अवधि में 42वां संविधान संशोधन भी कराया, जिसे संविधान के इतिहास के सबसे व्यापक और विवादास्पद संशोधनों में गिना जाता है। आलोचकों ने इसे "मिनी संविधान" तक कहा। आपातकाल का दौर भारत के लिए एक कड़वा सबक था। यह दौर भारतीय लोकतंत्र की दृढ़ता की सबसे कठोर परीक्षा थी इसमें कई संस्थाएं पंगु बनी, वहीं कुछ ने अधिक प्रतिरोध कर संवैधानिक चेतना को जीवित रखा। ऐसी विषम परिस्थितियों में भी लोकतंत्र के पुनरुत्थान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का महत्वपूर्ण योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पुस्तक "द इमरजेंसी डायरीज" में आपातकाल के दौरान के अनुभवों का उल्लेख किया है। उन्होंने लिखा है कि उस समय वे एक युवा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचारक थे और लोकतंत्र की रक्षा के लिए चल रहे आंदोलन से जुड़े थे। उनके अनुसार, आपातकाल का दौर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के महत्व को समझने का एक बड़ा अनुभव था। आपातकाल इतिहास की एक राजनीतिक घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि उस दूषित मानसिकता का प्रमाण है, जो संविधान और लोकतंत्र को केवल अपनी सत्ता पाने और बचाए रखने के लिए इस्तेमाल करती है। लोकतंत्र के साथ विश्वासघात करने के बाद भी कांग्रेस ने न तो कभी माफी मांगी और न ही कोई पश्चाताप ही प्रकट किया। जब राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता संविधान बचाओ का भ्रामक प्रचार करें तब युवाओं को यह पता होना चाहिए कि संविधान की असली हत्या कांग्रेस ने ही की थी। आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर, भारत के इतिहास के इस काले अध्याय से मिले सबको पर विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ब्रॉड भी हुए वैभव के मुरीद, बोले उससे संभलकर रहे इंग्लैंड के गेंदबाज

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 15 साल के उभरते हुए भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उसका खेल देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव के आक्रामक अंदाज के साथ ही उनकी निडर रवैये से भी ब्रॉड बेहद प्रभावित हैं अनका कहना है कि विरोधी टीम के लिए इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। वैभव ने जिस प्रकार से हाल में भारत ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका 'ए' के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी और 11 गेंदों में लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया था। उससे भी इंग्लैंड के खेमे में जबरदस्त उत्साह है। ब्रॉड ने कहा, उसके पास सब कुछ है, है न? अब तो वह स्लेजिंग भी करने लगा है! उसके लिए क्रिकेट बहुत आसान हो गया है। 11 गेंदों में अर्धशतक! यह वाकई पागलपन है। उन्होंने आगे कहा, मैं 1 जुलाई को डरहम में भारत के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में रहूंगा और मुझे सच में लगता है कि मैं उसे देखकर हैरान रह जाऊंगा। ब्रॉड ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैभव की यह चर्चा केवल सोशल मीडिया में बनी हुई कहानी नहीं है। क्रिकेट जगत में हर कोई इसी क्रिकेटरर की बात कर रहा। ब्रॉड ने बताया, मैंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सहायक कोच दिनेश कार्तिक से जबवैभव के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि यह लड़का सचमुच असाधारण है। आप सोच भी नहीं सकते कि यह बच्चा कितना बेहतरीन क्रिकेटर है। ब्राड के अलावा इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भी वैभव जमकर प्रशंसा की है।बटलर ने उनके रिकॉर्ड्स की तारीफ करते हुए कहा, उसने भारत ए के लिए 11 गेंदों में 50 रन बनाए, जो लिस्ट-ए इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लैंड टीम को सावधान करते हुए बटलर ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो हमने पहले कभी नहीं देखा। वह जिस तेजी से रिकॉर्ड्स तोड़ रहा है, वह डराने वाला है। एक इंग्लिश टीम के रूप में हमें टी20 सीरीज में उसपर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे। वह वाकई एक अलग स्तर का खिलाड़ी है। गौरतलब है कि वैभव ने पिछले कुछ महीनों में जिस तेजी से क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है, उसने उन्हें सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का एक चर्चित चेहरा बना दिया है। अब इंग्लैंड दौरे पर सभी की निगाहें इस बात पर टिकी होंगी कि क्या विदेशी पिचों पर भी वैभव उसी रफ्तार से रन बनाएंगे, जिस तरह उन्होंने घरेलू पिचों पर बनाये हैं।

फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 में मैक्सिको, स्विट्जरलैंड और बोस्निया जीते, हेती को मिली हार

एजेंसी, मैक्सको सिटी

फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 के संयुक्त मेजबान मैक्सिको की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए के ग्रुप स्तर के अपने तीसरे मुकाबले में चेक रिपब्लिक को 3-0 से हराकर अपने प्रशंसको को जश्न मनाने का अवसर दे दिया। यह पहली बार है जब मैक्सिको ने अपने पहले तीनों ही मैच जीत लिए हैं। वहीं इसके अलावा स्विट्जरलैंड और बोस्निया-हर्जेगोविना ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर नॉकआउट राउंड में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है। वहीं एक अन्य मुकाबले में हैती की टीम को मोरक्को के खिलाफ 4-2 से हार का सामना करना पड़ा है पर जिस प्रकार से हेती ने विश्वकप में वापसी करते हुए दो गोल दागे उसके लिए उसकी तारीफ हो रही है। ग्रुप-ए की विजेता मैक्सिको ने चेक रिपब्लिक को 3-0 से हराया। टीम शुरू से ही चेक टीम पर हावी हो गयी। दूसरे हाफ में मातेओ चावेज ने 55वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दिलाई, जिसके छह मिनट बाद ही जूलियन क्विनोनेस ने टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इंजरी टाइम में अल्वारो फिडाल्गो के तीसरे गोल के साथ ही टीम को जीत दिला दी। एक अन्य मुकाबले में, स्विट्जरलैंड ने ग्रुप-बी के निर्णायक मुकाबले में मेजबान कनाडा को 2-1 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। रूबेन वर्गास ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल कर स्विस टीम को बढ़त दिलाई, जिसके बाद 20 वर्षीय जोहान मंजांबी ने 57वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरी ओर कनाडा ने भी पहली बार विश्व कप के नॉकआउट राउंड में जगह बनाई है और अब उसका मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। सिएटल में खेले गए एक अन्य मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर नॉकआउट में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को तेजी दी है। 18 साल के केरिम अलायबेगोविच ने टीम को बढ़त दिलाई और वह विश्व कप इतिहास के सबसे युवा गोल स्कोररों में शामिल हुए। इस जीत से तीसरे स्थान पर रहने वाली बोस्निया अब तीसरे नंबर पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल होकर राउंड ऑफ-32 में पहुंचने की प्रबल दावेदार बन गई है। वहीं 52 साल के लंबे इंतजार के बाद विश्व कप में वापसी कर रही हैती की टीम ने अपवने दो शानदार गोलों से प्रशंसकों का दिल जीता। मैच के 10वें मिनट में लेनी जोसेफ के जोरदार प्रयास से मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू ने आत्मघाती गोल कर दिया, जिसने हैती को बढ़त दिला दी। इसके बाद विल्सन इसाडोर ने 43वें मिनट में दूसरा गोल कर फिर से टीम को आगे किया। हालांकि, मोरक्को ने लगातार तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर नॉकआउट राउंड में जगह बनाई, लेकिन हजारों हैती समर्थकों ने अपनी टीम के जज्बे पर खुशी मनायी। हैती के कोच सेबेस्टियन मिग्ने ने कहा कि उनकी टीम ने साबित किया कि वे इस बड़े मंच पर खेलने के हकदार हैं और अब 52 साल का इंतजार दोबारा नहीं होना चाहिए।

क्रिकेट किट खरीदने के लिए मां ने अपने गहने तक बेचे थे : क्रांति गौड़

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर राष्ट्रीय टीम तक पहुंची हैं। क्रांति का कहना है कि उसके यहां तक पहुंचने में माता-पिता और परिवार ने काफी संघर्ष और त्याग किया था। इसी कारण अब वह उनके लिए खिताब जीतकर गर्व का अनुभव कराना चाहती हैं। क्रांति के अनुसार उसकी क्रिकेट किट खरीदने के लिए उनकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए थे। यह उनके परिवार द्वारा किया एक बड़ा त्याग था, जिसने क्रांति को एक गहरी जिम्मेदारी का एहसास कराया। उन्होंने कहा, 'परिवार मेरे लिए इतना कर रहा था, तो मुझे जिम्मेदारी महसूस हुई। मैं उन्हें कुछ लौटाना चाहती थी। मैं उनके बलिदान को मायने देना चाहती थी।' क्रांति अपने परिवार की हमेशा आभारी रहेंगी, जिन्होंने उन्हें अपनी पसंद का करियर चुनने और अपने सपनों को पूरा करने की आजादी दी। उस दौर को याद करते हुए क्रांति बताती हैं, 'उस समय कई लड़कियों को घर से बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं थी, लेकिन मेरे माता-पिता अलग थे। उन्होंने कभी मुझे यह महसूस नहीं कराया कि मैं कुछ गलत कर रही हूं। उन्होंने मेरे सपने पर भरोसा किया।' पैसों की तंगी के बावजूद, उनके माता-पिता ने हर कदम पर उनका साथ दिया। क्रांति मानती हैं कि जब परिवार का साथ हो, तो बाहरी दुनिया की नकारात्मक बातों का कोई मतलब नहीं रह जाता। उनके परिवार के इस अटूट विश्वास और समर्थन ने उन्हें अपने लक्ष्यों को पाने की ताकत दी।

अगले माह के अंत में शुरु हो होगा डीपीएल का तीसरा सत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट का तीसरा सत्र 31 जुलाई से शुरु होगा। इसमें ऋषभ पंत, अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के अलावा नीतीश राणा ,नवदीप सैनी और प्रिंस यादव जैसे खिलाड़ी भाग लेंगे। यह रोमांचक टूर्नामेंट 31 जुलाई से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगा। इसमें राजधानी की सबसे अच्छी क्रिकेट प्रतिभाएं खेलती दिखेंगी। इससे पहले सभी की नजरें 1 जुलाई को होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी पर रहेंगी। इसमें सभी टीमें अपने दल को अंतिम रूप देंगी और नई प्रतिभाओं पर दांव लगाएंगी। इस लीग ने बहुत कम समय में ही अपनी पहचान बनायी है। इससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए अपने फॉर्म को हासिल करने और युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का भी एक अच्छा अवसर रहता है। इसके पिछले सत्र में वेस्ट दिल्ली लायंस ने राणा की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार डीपीएल खिताब जीता था। इस जीत ने न केवल टीम का मनोबल बढ़ा बल्कि लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर भी बढ़ा है।

भारतीय मूल के जय मूंदड़ा आयरलैंड टी20 टीम में शामिल

एजेंसी, जयपुर

भारतीय मूल के जय मूंदड़ा को आयरलैंड ने अपनी टी20 क्रिकेट टीम में शामिल किया है। जय राजस्थान के टोंक जिले से संबंध रखते हैं। अब जय भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में खेलते दिखेंगे। जय को सीनियर क्रिकेट टीम में पहली बार शामिल किया गया है। यह उनके लिए न सिर्फ एक बड़ा सम्मान है, बल्कि आयरलैंड के लिए खेलने वाले वह भारतीय मूल के दूसरे क्रिकेटर बने जाएंगे।

इससे पहले पंजाब में जन्मे सिमी सिंह ने आयरलैंड की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला था। किया था, और अब जय मूंदड़ा इसी विशिष्ट सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। जय ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत राजस्थान के घरेलू मैदानों में एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। हालांकि, समय के साथ उन्होंने अपनी खेल शैली में महत्वपूर्ण बदलाव किए। उन्होंने खुद को एक कुशल बल्लेबाजी ऑलराउंडर के रूप में विकसित किया, जिसकी पहचान न केवल उनकी प्रभावशाली बल्लेबाजी है बल्कि उनकी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी भी है, जो टीम के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार बन गई। उनकी यही बहुमुखी प्रतिभा और खेल के तीनों आयामों में योगदान देने की क्षमता उन्हें आयरलैंड की राष्ट्रीय टीम तक ले आई है भारत जैसी एक मजबूत और अनुभवी टीम के खिलाफ टी20 सीरीज में जय मूंदड़ा के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने का एक सुनहरा अवसर होगा।

बिजनेस

एविएंस बायोमेडिकल्स के आईपीओ निवेशकों को बंपर मुनाफा, लिस्टिंग के बाद लगभग दोगुना हुआ पैसा

एजेंसी, नई दिल्ली

बायोटेक सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी एविएंस बायोमेडिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 208 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 395.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 414.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 206.95 रुपये यानी 99.50 प्रतिशत का फायदा हो गया। एविएंस बायोमेडिकल्स का 30.24 करोड़ रुपये का आईपीओ 18 से 22 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 385.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 196.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 597.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 401.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 14,53,800 शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एविएंस बायोमेडिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 7.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 5.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 24.37 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 45.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 41.94 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 15.13 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 22.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 26.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 2.93 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 18.75 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की बात करें तो कंपनी का रिजर्व और सरप्लस बढ़ कर 24.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 4.08 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 11.41 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से 31 जनवरी 2026 तक कंपनी का ईबीआईटीडीए 10.34 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

भारत ने सिंगापुर को बंगनापल्ली आमों का पहला व्यावसायिक समुद्री खेप किया निर्यात

एजेंसी, नई दिल्ली

ताजे फलों के निर्यात को बढ़ावा देते हुए भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने आंध्र प्रदेश से 5 मीट्रिक टन बंगनापल्ली आमों की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप सिंगापुर को सफलतापूर्वक भेजी है। यह भारतीय बागवानी उत्पादों के किफायती और टिकाऊ निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि बंगनापल्ली आमों के इस निर्यात खेप से किसानों को काफी आर्थिक फ़ायदा भी हुआ। मंत्रालय ने कहा कि जहां घरेलू बाजार में कीमतें 25 रुपये से 26 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच थीं वहीं, निर्यात खेप से लगभग 50 रुपये प्रति किलोग्राम की कमाई हुई। इससे किसानों को मिलने वाली आमदनी लगभग दोगुनी हो गई और उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिला। मंत्रालय ने कहा कि इस खेप में मेसर्स ओसम फूड सॉल्यूशंस एलएलपी द्वारा निर्यात किए गए 5 मीट्रिक टन (एमटी) बंगनापल्ली आम शामिल थे। यह खेप 11 जून को भेजी गई थी, जो 24 जून को सिंगापुर पहुंची। एपीडा का यह कदम समुद्र के रास्ते कम लागत वाले फल निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

मंत्रालय ने कहा, "वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाली कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर (सीआईएसएच), लखनऊ के साथ मिलकर भारत से सिंगापुर तक प्रीमियम बंगनपल्ली आमों के पहले कमर्शियल समुद्री शिपमेंट को सफलतापूर्वक पूरा किया है।" वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत एपीडा ने सिंगापुर को बंगानापल्ली आमों की पहली सफल व्यावसायिक समुद्री खेप भेजी गई, यह एक बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि पहले आम मुख्य रूप से हवाई मार्ग से भेजे जाते थे। यह कदम समुद्र के रास्ते कम लागत वाले फल निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर स्थिति को संभाल लिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.69 प्रतिशत और निफ्टी 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटर ग्लोबल एवियशन, अदानी एंटरप्राइजेज, ट्रेंट लिमिटेड, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर 4.95 प्रतिशत से लेकर 2.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, बजाज ऑटो, एनटीपीसी, ओएनजीसी, टाटा स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 2.74 प्रतिशत से लेकर 1.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,754 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,528 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,226 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर आठ शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा, जबकि एशियाई बाजार में आज आमतौर पर मजबूती बनी हुई नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिलाजुला कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 182.06 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़ कर 51,848.90 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,358.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 110.40 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,476.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 51,866.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,461.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,385.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

फिल्म

कोरियन फिल्म में काम करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं अनुष्का सेन, जेजू ओले में मिला ये किरदार

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बड़ी अपलब्धि हासिल की है। वह साउथ कोरियन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने वाली हैं। 23 साल की यह स्टार आने वाली रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा जेजू ओले में लीड रोल निभाएंगी, जो भारत और साउथ कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग है।

फिल्म में अनुष्का ने अलीशा का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन को खोने के दुख से उबरने की कोशिश करते हुए साउथ कोरिया के खूबसूरत जेजू आइलैंड पर पहुंचती है। जब वह अपनी भावनाओं को समझने और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश करती है, तो उसका सिंगर-सॉन्गराइटर सुनवू (जिसे कोरियन एक्टर कांग ह्युंग-सेओक ने निभाया है) के साथ एक रिश्ता बन जाता है। फिल्म की कहानी जेजू आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर आधारित है। हाल ही में, अनुष्का ने द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, साउथ कोरिया के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और एक नई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की।इस प्रोजेक्ट के महत्व पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि जेजू ओले का महत्व इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं।अनुष्का ने बताया कि उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान के-ड्रामा देखना शुरू किया था। समय के साथ, उन्हें कोरियन कहानी कहने के अंदाज से प्यार हो गया और अक्सर वह ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का सपना देखती थीं।उन्होंने कहा कि जेजू ओले जैसी फिल्म में लीड रोल निभाना, किसी सपने के सच होने जैसा है।यह फिल्म कई जगहों के दर्शकों के लिए बनाई गई है और इसकी शूटिंग पूरे जेजू आइलैंड पर हुई है। फिलहाल, इसे साउथ कोरिया, भारत और कई अन्य एशियाई और मिडिल ईस्ट देशों में रिलीज करने की योजना है।

पंचायत सीजन 5 में होंगे कई धमाकेदार ट्विस्ट, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और अशोक पाठक ने खोले राज

टीवीएफ की पंचायत सबसे पसंदीदा सीरीज में से एक है. इसके हर एक एपिसोड ने अपनी दिलचस्प और शानदार कहानी से दर्शकों को बांधे रखा है. हाल ही में एक समिट के दौरान, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और अशोक पाठक ने सीरीज के इस सबसे बहुप्रतीक्षित अगले चैप्टर पर खुलकर बात की. पूर्व विपक्ष के दोबारा सत्ता में आने के बाद फुलेरा के बदलते समीकरणों पर रोशनी डालते हुए, एक्टर्स ने यह हिंट दिया कि आगे गांव में क्या होने वाला है.कहानी के बड़े राज छिपाकर रखते हुए, उन्होंने इशारा किया कि पंचायत सीजन 5 कहानी में एक नया मोड़ लेकर आएगा, जो पिछले सीजन्स के मुकाबले एक बिल्कुल अलग और मजेदार अनुभव देने का वादा करता है. बनराकस (भूषण) का रोल निभाने वाले दुर्गेश कुमार, जिन्होंने बृज भूषण और मंजू देवी को हराकर ग्राम पंचायत पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया है, पंचायत 5 के प्लॉट पर बात करते दिखे. हालांकि, उन्होंने कहा, ऐसे तो नहीं बता सकते, वरना ऑडियंस का कॉमिक टाइमिंग खराब हो जाएगा। लेकिन, इस बार भी आनंद आने वाला है. दुर्गेश की बात को दोहराते हुए, अशोक पाठक उर्फ बिनोड ने शेयर किया, मज़ा आएगा। इस बार का सीजन कुछ अलग, हटके होगा. रोमांच ज़्यादा होने वाला है. पंचायत सीजन 4 एक बेहद दिलचस्प मोड़ (क्लिफहैंगर) पर खत्म हुआ था, जिसने दर्शकों को यह जानने के लिए बेताब छोड़ दिया कि नए चुने हुए नेतृत्व में आखिरकार फुलेरा की कमान कौन संभालेगा.गांव के अगले उप-प्रधान की पहचान अभी भी रहस्य के घेरे में है, ऐसे में आने वाले सीजन से यह सस्पेंस खुलने और फुलेरा के राजनीतिक समीकरणों के सामने आने की उम्मीद है. जब इस बारे में पूछा गया, तो फुलेरा की नई प्रधान, क्रांति देवी का रोल निभाने वाली सुनीता राजवार ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, घर की बात, घर में ही रहेगी. वो हम आपको स्टेज पे नहीं बताएंगे। हमारे राइटर्स हैं जिन्होंने बहुत अच्छा लिखा हुआ है.सीजन 1 से लेके सीजन 5 तक मेंटेन करना, गांव की सरलता भी मेंटेन करना, मसाला भी मेंटेन करना. उनकी लिखावट और हम कलाकारों की कारीगरी एक साथ स्क्रीन पे देखने में मजा आएगा. अभी बता देंगे तो मज़ा खत्म हो जाएगा. पंचायत के एक्टर्स ने शो के अगले सीजन के लिए उत्सुकता को काफी बढ़ा दिया है. हालांकि पंचायत सीजन 5 की रिलीज डेट का खुलासा होना अभी बाकी है, लेकिन अमेज़न प्राइम वीडियो ने घोषणा की है कि नए एपिसोड इसी महीने से स्ट्रीम होना शुरू हो जाएंगे.इसके अलावा, पंचायत को न केवल दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स 2025, आईफा डिजिटल अवार्ड्स 2025 (पहला एडिशन) और आइकॉनिक गोल्ड अवार्ड्स 2026 जैसे कई पुरस्कार मिले हैं, बल्कि यह सोशल मीडिया पर भी एक वायरल सनसनी बन चुका है. असल में, इसने एंटरटेनमेंट की दुनिया को जितेंद्र कुमार और फैसल मलिक जैसे कुछ बेहतरीन एक्टर्स से रूबरू कराया है.साल 2020 में पहली बार लॉन्च हुई पंचायत, ग्रामीण भारत के अपने असली चित्रण और एक गांव के पंचायत सचिव के रूप में काम करने वाले इंजीनियरिंग ग्रेजुएट के इर्द-गिर्द बुनी गई रिलेटेबल कहानी की वजह से बहुत जल्द लोगों की पसंदीदा बन गई. पिछले कुछ सालों में, इस सीरीज ने अपनी सादगी, ह्यूमर और इमोशनल डेप्थ (भावनात्मक गहराई) के लिए क्रिटिक्स से खूब तारीफें बटोरी हैं.

अघोरी, राजाओं और गुप्त खजानों की रहस्यमयी कहानी है 'नागाबंधम'

हाल ही में बहुप्रतीक्षित फिल्म 'नागाबंधम' का दमदार ट्रेलर मुंबई में एक भव्य समारोह के दौरान लॉन्च किया गया। करीब तीन मिनट उन्नीस सेकंड लंबे इस ट्रेलर की शुरुआत एक रहस्यमयी नगर और एक धर्मगुरु द्वारा एक दुर्लभ और दिव्य पुष्प के रहस्य के उल्लेख से होती है। लॉन्च इवेंट में प्रमुख कलाकार विराट कर्णा, नभा नटेश, दक्षा नागरकर, ऋषभ साहनी, महेश मांजरेकर और गणेश आचार्य सहित निर्देशक अभिषेक नामा और निर्माता निशिता नागिरेड्डी व किशोर अन्नापुरेड्डी उपस्थित रहे। 'ब्रह्मकमलम' नामक इस पुष्प का रहस्य कहानी का केंद्रीय बिंदु प्रतीत होता है, जिसके इर्द-गिर्द पूरी गाथा बुनी गई है। ट्रेलर में एक प्राचीन और रहस्यमयी नाग को इस पवित्र पुष्प की रक्षा करते हुए दिखाया गया है, जिससे कहानी में रहस्य और रोमांच का स्तर और भी गहरा हो जाता है। यह प्रारंभिक दृश्य ही दर्शकों को फिल्म की रहस्यमयी और पौराणिक दुनिया में खींच लेता है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, फिल्म का कैनवास और भी विशाल होता दिखाई देता है। अघोरियों की रहस्यमय उपस्थिति, सर्पों से जुड़े गूढ़ दृश्य और एक युवा नायक के अजीब सपनों से जागने के क्षण दर्शकों की जिज्ञासा को चरम पर पहुंचा देते हैं। इसके बाद सेना, प्राचीन पुजारियों, पराक्रमी राजाओं और सदियों से छिपे खजानों की भव्य झलकियां 'नागाबंधम' को एक विशाल और भव्य एडवेंचर गाथा के रूप में स्थापित करती हैं।

महेश मांजरेकर का पुजारी वाला किरदार विशेष रूप से प्रभावशाली लगता है, जो फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते दिख रहे हैं। ट्रेलर में भगवान शिव से प्रेरित कई दिव्य और आध्यात्मिक दृश्यों को भी शामिल किया गया है, जो फिल्म में पौराणिक तत्वों को सशक्त रूप से प्रस्तुत करते हैं। शानदार विजुअल इफेक्ट्स, भव्य सेट डिजाइन और हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस इस ट्रेलर को और भी प्रभावशाली बनाते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मेकर्स ने दर्शकों को एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अंतिम हिस्से में दिखाए गए कई बड़े एक्शन मोमेंट्स और रोमांचक दृश्य फिल्म के प्रति उत्सुकता को और बढ़ा देते हैं, यह दर्शाते हुए कि 'नागाबंधम' वर्ष की सबसे चर्चित मिथोलॉजिकल एक्शन-एडवेंचर फिल्मों में से एक साबित हो सकती है, जिसमें फैंटेसी, रहस्य और रोमांच का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म के निर्माता निशिता नागिरेड्डी और किशोर अन्नापुरेड्डी ने इस अवसर पर अपनी भावनाओं को साझा करते हुए बताया कि 'नागाबंधम' उनके लिए एक बेहद महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य प्राचीन मिथोलॉजी और गहन रहस्य को एक भव्य सिनेमाई अंदाज में दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना है। उन्होंने जोर दिया कि दर्शकों को एक अद्वितीय दृश्यात्मक और भावनात्मक अनुभव प्रदान करने के लिए फिल्म के हर पहलू पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो उनकी मेहनत और लगन को दर्शाता है। निर्देशक अभिषेक नामा ने भी फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि यह दर्शकों को रहस्य, रोमांच और भावनाओं से भरी एक अनोखी दुनिया में ले जाएगी।

वरुण धवन की मां का रोल ऑफर होने पर ऐसा था मौनी रॉय का रिएक्शन, ट्रोलिंग पर बोलीं- 'मुझे फर्क नहीं पड़ता

डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे। मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर-शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे। यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि 'मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं! लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं। फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, उनकी मां? फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी (डायलॉग राइटर) से कहानी सुनी।

मैं जोर-जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी। और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है? फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है।

उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। साथ ही यह एक कॉमेडी फिल्म थी और मैं पहली बार कॉमेडी कर रही थी। इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे सभी प्रमोशन से दूर रखा। यह एक अच्छा फैसला था क्योंकि इससे लोगों में उत्सुकता जगी कि फिल्म में यह क्या कर रही है।

रजनीकांत की जेलर 2 में कैमियो करेंगे ऋतिक रोशन? मिला बड़ा संकेत

सुपरस्टार रजनीकांत इस साल दर्शकों को बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 का तोहफा देने वाले हैं। कुछ दिनों पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इस परियोजना से ऋतिक रोशन भी जुड़ गए हैं। बताया गया था कि वह फिल्म में एक कैमियो का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे, जिसने लोगों को उत्साहित कर दिया। अब सोशल मीडिया पर एक तस्वीर सामने आई है, जिसने ऋतिक के जेलर 2 से जुड़ने की अटकलों को हवा दे दी। सोशल मीडिया पर आई तस्वीर में, ऋतिक को कुछ पायलेट के साथ में हवाई अड्डे पर देखा जा सकता है। कैप्शन में बताया गया कि अभिनेता चेन्नई पहुंच गए हैं। वह जेलर 2 में अपने कैमियो की शूटिंग के लिए शहर में हो सकते हैं। इस घटनाक्रम ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है, खासकर इसलिए क्योंकि फिल्म में उनके जुड़ाव की चर्चा काफी समय से चल रही है। हालांकि टीम ने आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं की है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बन रही जेलर 2, साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर का सीक्वल है। इसमें रजनीकांत को अपना चर्चित किरदार मुथुवेल पांडियन दोबारा से दोहराते हुए देखा जाएगा। सीक्वल से उम्मीद है कि यह पहली फिल्म की घटनाओं के बाद की कहानी को आगे बढ़ाएगा। फिल्म में रजनीकांत के अलावा, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सूर्या और सूरज वेंजारामूडु भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मोहनलाल और शिव राजकुमार कैमियो करते दिखाई देंगे।

घमंडी लोगों से निपटने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, तनाव से रहेंगे दूर

घमंड एक ऐसा गुण है, जो किसी के व्यक्तित्व को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। यह दूसरों के साथ संबंधों को खराब कर सकता है और समाज में असंतोष पैदा कर सकता है। घमंडी लोग अक्सर अपनी बात मनवाने के लिए दूसरों को नीचा दिखाते हैं। ऐसे लोगों से निपटने के लिए कुछ सरल और प्रभावी तरीके हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। ऐसा करके आपका मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित नहीं होगा।

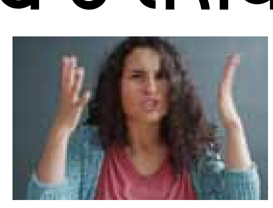

सहानुभूति दिखाएं : घमंडी लोगों से निपटने का पहला तरीका है सहानुभूति दिखाना। जब आप किसी घमंडी व्यक्ति से मिलते हैं तो उनकी स्थिति को समझने की कोशिश करें। उनकी भावनाओं को समझने से आपको उनकी मानसिकता को बेहतर तरीके से जानने में मदद मिलेगी। इससे आप उनके साथ बेहतर तरीके से बातचीत कर पाएंगे और उनके घमंड को कम करने में मदद मिलेगी। सहानुभूति दिखाने से आप उनके व्यवहार को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकते हैं और संबंध सुधार सकते हैं।

शांत रहें : घमंडी लोगों के साथ बातचीत करते समय शांत रहना बहुत जरूरी है। उनकी बातों पर प्रतिक्रिया देने से पहले गहरी सांस लें और धैर्यपूर्वक सुनें। अगर वे आपको नीचा दिखाने की कोशिश करें तो भी संयम बनाए रखें। अपनी भावनाओं पर काबू रखें और उग्र प्रतिक्रिया देने से बचें। इससे आप स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल सकेंगे और किसी भी विवाद से बच सकेंगे। शांत रहने से आप बेहतर संवाद कर पाएंगे और उन्हें गलती का एहसास होगा।

सकारात्मक नजरिया अपनाएं : घमंडी लोगों से बातचीत करते समय सकारात्मक नजरिया रखना अहम है। उनकी नकारात्मक बातें सुनकर खुद को नकारात्मक महसूस न होने दें, बल्कि उनके साथ सकारात्मक बातचीत करें। उनकी अच्छी बातों पर ध्यान दें और उन्हें प्रोत्साहित करें। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे धीरे-धीरे अपनी नकारात्मकता को छोड़ने लगेंगे। सकारात्मक नजरिया अपनाने से आप उनकी मानसिकता को सुधारने में मदद कर सकते हैं और उनके साथ बेहतर संबंध बना सकते हैं।

सीमाएं तय करें : घमंडी लोगों के साथ सीमाएं तय करना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताएं कि कौन-सी बातें स्वीकार्य हैं और कौन-सी नहीं। अगर वे आपकी सीमाओं का उल्लंघन करें तो दृढ़ता से अपनी सीमाओं को बनाए रखें। इससे वे समझेंगे कि उनका व्यवहार ठीक नहीं है और वे बदलने पर मजबूर होंगे। इसके अलावा आप उन्हें उदाहरण देकर दिखा सकते हैं कि उनका व्यवहार कैसे दूसरों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है और उन्हें सुधारने की प्रेरणा दे सकते हैं।

खुद पर ध्यान दें

आखिर में सबसे अहम बात यह है कि आपको खुद पर ध्यान देना चाहिए। घमंडी लोगों के साथ समय बिताने से आपकी मानसिकता प्रभावित हो सकती है, इसलिए खुद को सकारात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखें। अपने शौक पूरे करें, दोस्तों के साथ समय बिताएं और अपनी पसंदीदा किताबें पढ़ें। इससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा और आप घमंडी लोगों के नकारात्मक प्रभाव से बच सकेंगे। इस तरह आप अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

India calls for Brics shared space economy

Bengaluru, Agency: Calling space the next frontier of global economic growth, junior space minister Jitendra Singh Wednesday urged Brics nations to work together to build a "Brics Space Economy", arguing that no single country can shape the future of the sector alone.

Addressing the valedictory session of the Brics Heads of Space Agencies (Hosa) meeting in Bengaluru, Singh said the bloc possesses the scientific expertise, technological capabilities and industrial strength needed to emerge as a major force in the rapidly expanding global space economy.

"The future of the space economy will not be shaped by nations working in isolation. It will be shaped by partnerships, shared innovation and collective ambition," Singh said. "Brics countries have the potential to become one of the strongest pillars of this emerging global space ecosystem."

Isro chairman V Narayanan said: "A total of 26 delegates from 10 countries participated. There were extensive discussions on the utilisation of the Brics Remote Sensing Satellite Constellation (RSSC) for the socio-economic benefit of member countries, including applications in disaster management, climate change monitoring, and other areas." "We also discussed debris-free mission management systems to ensure the long-term sustainability of space activities. It was a very productive meeting. Along with the five Brics nations, five more countries were part of this initiative," he added.The two-day meeting, hosted by Isro under India's Brics Chairship 2026, brought together heads of space agencies and senior officials from Brazil, China, Egypt, Ethiopia, Indonesia, Iran, Russia, South Africa and the United Arab Emirates.

At a time when countries are increasingly looking to space-based technologies for economic and developmental gains, Singh positioned cooperation among Brics members as a pathway to innovation, investment and sustainable growth. He said the grouping, which accounts for a significant share of the world's population and economic output, is uniquely placed to leverage space technology for addressing common challenges. "Challenges such as climate change, natural disasters, food and water security, environmental degradation and sustainable urbanisation increasingly require collective solutions supported by advanced space technologies," he said.

The discussions focused on strengthening existing cooperation mechanisms and identifying new areas of collaboration.

Pack of stray dogs attack 10-year-old boy cycling in Faridabad society; hospitalised

New Delhi, Agency: A 10-year-old boy was hospitalised and underwent head surgery after being allegedly attacked by a pack of stray dogs inside a residential society in Faridabad's Ballabgarh area on Tuesday evening. The incident took place at Mulberry County Society in Sector 70, where the child was cycling with friends when the dogs reportedly mauled him, leaving him with multiple injuries to his body and head.

The boy, identified as Parth, remains under treatment at a private hospital in Faridabad's Sector 21A after his condition reportedly deteriorated while he was being transferred to Delhi. Residents said he was initially taken to Ballabgarh Government Hospital and later referred to Safdarjung Hospital because of the severity of his injuries. However, he was admitted to the private facility en route, where doctors performed surgery on Wednesday.

The incident has sparked anger among residents, who staged a protest on Wednesday and accused authorities of failing to address the growing stray dog menace in the housing society. According to residents, more than 50 dog attack incidents involving children and adults have been reported in the area over the past few months.

Dhirendra Tevatia, a resident of the society and the boy's father, said Parth had been cycling with friends in the basement when the attack occurred.

According to Tevatia, the bicycle's chain slipped off and the boy stopped to fix it. While he was doing so, a group of seven or eight stray dogs allegedly present in the basement descended on him.

"After Parth was attacked by dogs, all the friends fled the basement and rushed to the security guard stationed at the society's main gate. The guard arrived with a stick and drove the dogs away. Within minutes, the dogs had left Parth critically injured. He is being treated in the hospital", Tevatia said.

Residents said the boy's screams alerted his friends, who ran to seek help from the society's security staff. By the time the guard reached the spot and managed to chase the dogs away, the child had already suffered serious injuries.

The incident has renewed concerns over the presence of stray dogs inside residential complexes and prompted demands from residents for urgent measures to prevent similar attacks in the future.

Speaker Birla to decide on TMC, Sena (UBT) defections before Monsoon Session

New Delhi, Agency: Lok Sabha Speaker Om Birla is expected to decide on the fate of rebel MPs from the Trinamool Congress (TMC) and Shiv Sena (UBT) before the commencement of Parliament's Monsoon Session next month, sources familiar with the matter told news agency .

The Speaker has already heard representations from both the parent parties and the breakaway groups. In the TMC case, Birla met a delegation led by the party's Lok Sabha leader Abhishek Banerjee as well as members of the rebel camp. A similar exercise was conducted in relation to the Shiv Sena (UBT) split.

According to sources, legal and constitutional experts attached to Parliament are currently examining the matter and are expected to provide their recommendations before a final decision is taken. Previous rulings by presiding officers in comparable situations are also being studied to ensure any decision is legally and constitutionally sound. The Lok Sabha Secretariat is meanwhile understood to be working on possible seating arrangements ahead of the Monsoon Session, which is usually convened in the third week of July.

25 hurt as minibus plunges into gorge in J&K's Kathua

Jammu, Agency: At least 25 people were injured after a minibus ferrying pilgrims to Shri Sukrala Mata Temple in Billawer, in J&K's Kathua district, plunged into a gorge in Simbli area on Wednesday. Officials said four of the injured were in critical condition.

The minibus was ferrying devotees from Goran and Sumb villages in Samba district to the shrine. En route, the driver allegedly lost control of the vehicle near Dingi Simbli on Dhar Road, causing it to roll into the gorge, officials said. Locals, civic administration, and police personnel launched a joint rescue operation and rushed the injured occupants - including the driver - to a nearby health facility. Those in serious condition were later shifted to Kathua GMCH, officials said.

NCERT introduces section on Emergency in Class IX textbook for first time, calls it a 'major challenge'

New Delhi, Agency: The National Council of Educational Research and Training (NCERT) has, for the first time, introduced a section on the Emergency in a Class IX textbook, describing it as "one of the major challenges" to Indian democracy during a period when a majority of Fundamental Rights were suspended.

The reference has been included in NCERT's newly developed social science textbook, Understanding Society: India and Beyond, within a chapter that examines the strengths of Indian democracy alongside the challenges it has faced.

An NCERT official confirmed that this is the first time a dedicated section on the Emergency has been included in a Class IX textbook. according to news agency ANI. The development comes exactly 51 years after the proclamation of the Emergency in India on June 25, 1975, and a year after the country marked its 50th anniversary. "One of the major challenges to democracy in India was recorded when an Emergency was imposed in 1975-77. In the early 1970s, public dissatisfaction with the government led by Indira Gandhi was growing. Rising unemployment, inflation, and allegations of misgovernance led to widespread protests," the textbook section reads.

The chapter further notes, "In June 1975, a National Emergency was imposed by the government on the grounds of internal disturbance. During this period, a majority of Fundamental Rights were suspended, the press was censored, and numerous political leaders and activists were arrested.

30 India-bound ships crossed Strait of Hormuz, another 26 wait for their turn

New Delhi, Agency: So far 30 India-bound ships have crossed the Strait of Hormuz and 26 wait to cross the critical sea route, sources in the shipping ministry said. While half of the ships that have transited the strait carried LPG and LNG, eight had bulk cargo and seven were crude tankers.

Officials said while 19 transits happened between March 1 and June 17, following the signing of the Iran-US MoU 11 ships have crossed the strait safely. Among the 30 that have reached or are heading to Indian ports, 17 are foreign-flagged vessels, including a maximum of five Marshall Islands-flagged ships.

Media has learnt that of the 26 vessels of Indian interest -- both Indian-flagged and India-bound foreign-flagged ships -- that remain in the Persian Gulf (west of Strait of Hormuz) three are carrying energy, 10 fertilisers and remaining 13 carrying other cargo.

The strait, which is an international waterway, accounts for a fifth of the supply of energy globally. For India, its key partners for procurement of LNG and LPG emanate from the Gulf countries.

Private colleges will shut if asked to charge fee at government rates: SC

New Delhi, Agency: Supreme Court on Wednesday said that private medical colleges cannot be prevented from charging higher fees than govt ones and forcing them to do so would result in their closure and harm to medical education.

A bench of Justices B V Nagarathna and Joymalya Bagchi while hearing a plea by an EWS student who was allotted a general category seat in a private medical college where he would be required to pay nearly Rs 19 lakh as annual tuition fee, noted private medical colleges are barred from taking capitation fees and are self-financing. "Annual tuition fee can't be the same in a private college and a govt one," Justice Nagarathna said.

Justice Nagarathna said, "The annual tuition fee can't be the same in a private medical college and a govt one. In self-financing private colleges, every expense is to be borne by the colleges whereas govt subsidies the expenses in the colleges under it."

"Private colleges are also contributing to the field of higher education, including in the medical stream. If they are asked to take fees at govt rate, then they will close down and the medical education would suffer. If other states have implemented the EWS quota and if Rajasthan has not done it, courts cannot direct private colleges to reduce fees," she further said. The petitioner, whose parents in Rajasthan have an annual income of less than Rs 8 lakh, cleared NEET-UG 2025, said he was "arbitrarily" allotted a general category seat in a private medical college and Rs 19 lakh being demanded of him was way beyond his means.

His counsel Rishabh Sancheti informed the bench that students in EWS category, who scored less marks than him, were allotted EWS quota seats where candidates pay fee for MBBS courses at govt fixed rate which is less than the general category seats in private colleges.

Passport just a travel document, not citizenship proof: MEA

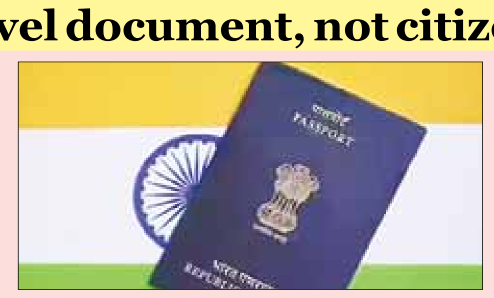

New Delhi, Agency: A passport is primarily a travel document and should not be treated as proof of citizenship, a senior external affairs ministry official said Wednesday at an event to highlight the expansion of passport services across the country on 14th Passport Seva Divas.

The passport attests the nationality of Indians when they are abroad but it isn't a document of citizenship, officials clarified in response to a query. This set off a raging discussion on X, with users asking what then counted as a conclusive proof of citizenship in India if documents such as passports, Aadhaar cards and voter IDs don't make the cut?

While MEA's clarification reiterates a legal position underlined in the past by court judgments, it assumes importance in light of debates around citizenship during the Election Commission's special intensive revision (SIR) of electoral rolls.

An Ajmer legend whistles past 150

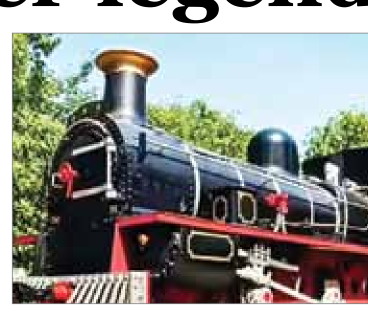

New Delhi, Agemcy: Some of the sounds of Ajmer are age-old. Like the cry of the azaan at the dargah of Khwaja Moinuddin Chishti. Or the bells of Mayo College, ringing through corridors trod by the sons of the well-known and well-heeled. A third, perhaps less perceptible now, is provided by the sirens at Ajmer Railway Workshop, which quietly chugs into its 150th year in Aug, mostly without remark but still bearing a precious part of the city's identity.

If the dargah brings seekers of the 13th century Sufi mystic's grace from near and far - as it drew Mughal Emperor Akbar over four centuries back - and the school imparts an aristocratic gloss to the city, it is the railway workshop that gave Ajmer a remarkably cosmopolitan character, still very much evident even if not as palpable as it once was.

Melting Pot: Set up in 1876 - a year after the opening of Mayo Colege - under the Rajputana-Malwa Railway, what began as a modest repair facility grew into a key pillar of Indian Railways. It was also the third-oldest railway workshop in undivided India.

But its story runs beyond machines and tracks. British and Jewish engineers, Parsi technicians, and workers from present-day UP, Gujarat, Kerala and Maharashtra didn't just work here - they settled, built homes, and formed communities. Over time, their presence gave Ajmer a distinctly cosmopolitan character, still visible in colonial bungalows, old railway institutes, churches, the Jewish cemetery near Ana Sagar, Parsi fire temples, and markets shaped by trading families like the Agarwals.

Some railway colonies still carry fading Bombay, Baroda and Central India Railway (BB&CI) markings on their walls. In older neighbourhoods near the workshop, rusted iron gates, century-old rainwater pipes and sloping tiled roofs survive amid newer construction.